



Souvenir

20th Annual National Conference

of Uttar Pradesh-Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

(Under the auspices of the Society for the Promotion of Economics in Uttar Pradesh and Uttarakhand)

On

Date : 09-11 , November, 2024
Saturday, Sunday & Monday

Titled

"India Amrit Kaal : Paving the Way to A \$5 Trillion Economy through Contemporary Issues of Economy, Business, And Management."

Themes:

- Demographic Transition and Social Sector Challenges in India : Understanding Demographic Dynamics.
- Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development.
- India's External Sector Reforms and Challenges.
- Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand.
- Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge.



Organised by
KIPM COLLEGE OF MANAGEMENT
GIDA, Gorakhpur, Uttar Pradesh (India)

20th Annual National Conference of UPUEA



Editor in Chief

Prof. Vinod Kumar Srivastava

General Secretary, UPUEA
Dr. RML Avadh University, Ayodhya, U.P

Editors

Prof. Jaibeer Singh

Director
KIPM College of Management
Gorakhpur

Dr. Anamika Choudhary

Joint Secretary, UPUEA
DSMNRU, Lucknow U.P

Associate Editor

Dr. Sarita Dwivedi

Website Convener, UPUEA
Dr. RML Avadh University, Ayodhya, U.P

Joint Editors

Dr. Narendra Kumar

Website Co-Convener, UPUEA
DSMNRU, Lucknow U.P

Dr. Alka Srivastava

EC-Member & Office Incharge, UPUEA
Dr. RML Avadh University, Ayodhya, U.P





20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

CONTENTS

- 1. Message**
- 2. Titans of the Conference**
- 3. Conference Theme**
- 4. Conference Schedule**
- 5. Memorial Lecture**
- 6. Abstracts**
- 7. Presenters List**

आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



सत्यमेव जयते

राज भवन

लखनऊ - 226 027
23 अक्टूबर, 2024

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि के0आई0पी0एम0 कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गीडा, गोरखपुर दिनांक 09 से 11 नवम्बर 2024 तक "इण्डिया अमृतकाल: समसामायिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर" विषय पर उत्तर प्रदेश- उत्तराखण्ड आर्थिक संघ (UPUEA) के 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन कर रहा है और इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जायेगा।

उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ सोसाइटी द्वारा इन दोनों प्रदेशों में समता मूलक विकास के साथ गरीबी को शून्य करने के उद्देश्यों के लिए प्रयास करना सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि अधिवेशन में विद्वानों के विचार प्रख्यापन आर्थिक प्रगति की नई सम्भावनाओं को विकसित कर सकेंगे।

मैं इस अवसर पर स्मारिका के सफल सम्पादन और प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

योगी आदित्यनाथ



मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश



लोक भवन,
लखनऊ - 226001

दिनांक : 03-11-2024

संदेश

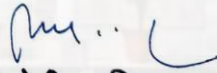
मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ का 20वां राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 09 से 11 नवम्बर, 2024 तक गोरखपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित होगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सन् 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना पूरे भारतवासियों को दी है। इस क्रम में सन् 2027 तक भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने इसके लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करना प्रदेश सरकार का मिशन है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर का आकार देने के लिए राज्य सरकार नियोजित प्रयास कर रही है। इन प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

इसके दृष्टिगत उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन का विषय 'इण्डिया अमृतकाल : समसामयिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर' अत्यन्त प्रासंगिक है। मुझे आशा है कि कार्यक्रम में होने वाले विचार-विमर्श के माध्यम से उपयोगी और रचनात्मक सुझाव प्राप्त होंगे।

आयोजन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।


(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 फ़ैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री



कार्यालय कक्ष संख्या-99, 100, मुख्य भवन,
विधान सभा सचिवालय

दूरभाष- 0522-2238088 (का0)
0522-2239999 (आ0)

लखनऊ: दिनांक : 24.10.2024



संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि के.आई.पी.एम. कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट, गोरखपुर द्वारा दिनांक 09 से 11 नवम्बर, 2024 के मध्य उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ के 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन कर रहा है।

इस अधिवेशन का उद्देश्य भारत अमृत काल समकालीन आर्थिक, व्यापार और प्रबंधन मुद्दों के माध्यम से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में मार्ग प्रशस्त करना है। यह विषय आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। आज हम एक ऐसे समय में खड़े हैं, जहाँ देश में अभूतपूर्व बदलाव हो रहे हैं। हम केवल भारत की अर्थव्यवस्था के विकास का साक्षी नहीं बन रहे हैं, बल्कि इसे साकार करने के लिए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश वर्तमान में देश की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। उत्तर प्रदेश न केवल भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में अन्य राज्यों के लिए एक मानक स्थापित कर रहा है। यह अधिवेशन अमृत काल में उत्तर प्रदेश के साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महती भूमिका निभाएगा।

मैं, के.आई.पी.एम. कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट, गोरखपुर द्वारा आयोजित अधिवेशन की सफलता एवं इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका 'यूपीया इकोनोमिक जर्नल' के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(ब्रजेश पाठक)

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश।



कक्ष सं०-63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष- 2238051(कार्या०)
दिनांक- ०5.11.2024.




संदेश

यह हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ (UPUEA) का 20वां वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय अधिवेशन का विषय "भारत अमृत काल: समकालीन आर्थिक, व्यापार और प्रबंधन मुद्दों के माध्यम से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में मार्ग प्रशस्त करना" विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि भारत आर्थिक वृद्धि और विकास के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है।

इस सम्मेलन में जनसांख्यिकीय संक्रमण, सामाजिक क्षेत्र की चुनौतियाँ, कृषि वृद्धि, ग्रामीण गरीबी, बाहरी क्षेत्र सुधार, पर्यटन के अवसर, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय क्षरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा की जाएगी। ये मुद्दे आपस में जुड़े हुए हैं और भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण अवसर और चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं। पर्यटन ने दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र के रूप में उभरते हुए, रोजगार सृजन, विदेशी मुद्रा अर्जन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं, पर्यटन विकास के लिए अपार संभावनाएँ प्रस्तुत करते हैं।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ (UPUEA) का 20वां वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल होगा।

उक्त अधिवेशन के सफल संचालन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।


(योगेन्द्र उपाध्याय)

दयाशंकर सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
परिवहन विभाग



संख्या: 832/वी.आई.पी./रा.मं.(स्व.प्र.)परि./2024
कक्ष सं.- 63A - 63C, विधान भवन, लखनऊ
दूरभाष सं. : 0522-2238071, 2213259

दिनांक : 22-10-2024



शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि कैलाश इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मसी एंड मैनेजमेंट, गोरखपुर द्वारा उत्तर प्रदेश- उत्तराखण्ड आर्थिक संघ का बीसवाँ सम्मेलन 09-11 नवम्बर, 2024 को आयोजित किया जा रहा है। मैं समझता हूँ कि इस सम्मेलन में सामाजिक क्षेत्र, कृषि व ग्रामीण विकास, पर्यटन एवं जलवायु परिवर्तन से जुड़े विभिन्न महती पहलुओं पर विशद विचार-मंथन होगा। मुझे विश्वास है कि इससे उदभूत निष्कर्ष एवं नीति-पुलिन्द भारतीय अर्थव्यवस्था के पाँच ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को साकार करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

मैं इस आयोजन की सफलता एवं इससे जुड़े हुए सभी महानुभावों को शुभकामनाएं देता हूँ।

(दयाशंकर सिंह)

शुभकामनाओं सहित।

प्रो० विनोद कुमार श्रीवास्तव जी,
महासचिव, यूपीया,
आचार्य, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग,
डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय,
अयोध्या।

आवास : 9 - कालीदास मार्ग, लखनऊ । 📞: 0522- 2235033 📠: 9415026384

✉️ dayashankar4bjp@gmail.com, psparivahan2022@gmail.com 📱 dayashankarsingh 🐦 dayashankar4bjp

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश



कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ।
दूरभाष कार्या. : 0522-2238980
सी.एच. : 0522-2214808



“शुभकामना संदेश”

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि कैलाश इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मैसी एंड मैनेजमेंट, गोरखपुर द्वारा दिनांक 09 नवम्बर से 11 नवम्बर, 2024 तक “इंडिया अमृतकाल: समसामयिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर” विषय पर उत्तर प्रदेश –उत्तराखंड आर्थिक संघ के बीसवें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान परिवार द्वारा एक स्मारिका प्रकाशित की जा रही है।

मैं आशा करती हूँ कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका सोसाइटी की उपलब्धियों के दर्शन के साथ ही साथ उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहायक सिद्ध होगी।

मैं इस अधिवेशन के सफल आयोजन की कामना के साथ ही इस अवसर पर संस्थान/सोसाइटी से जुड़े समस्त व्यक्तियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देती हूँ एवं प्रकाशित होने वाली स्मारिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ।

(रजनी तिवारी)
राज्य मंत्री,
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार।

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

डा. सतीश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री
उ०प्र० शासन
निवर्तमान विधायक भाजपा
305 विधान सभा क्षेत्र इटवा



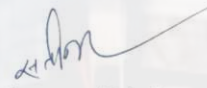
कार्यालय : बाँसी रोड, इटवा,
जनपद - सिद्धार्थनगर
आवास: ग्राम-शनिचरा,
पोस्ट-बरगदवा खखरी
जनपद-सिद्धार्थनगर,
उ०प्र०-262153
मो: 9415363028

दिनांक: 05 नवम्बर, 2024

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि आई.पी.एम. कॉलेज आफ मैनेजमेंट, गोरखपुर द्वारा उत्तर प्रदेश उत्तराखंड आर्थिक संघ के 20वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 09 से 11 नवम्बर 2024 को किया जा रहा है। यह सम्मेलन वसुधैव कुटुम्बकम् के आदर्श के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का समाधान तथा सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। अमृत काल में हमारी दृष्टि तकनीक से संचालित और ज्ञान आधारित ऐसी अर्थव्यवस्था बनने की है जिसमें समावेशी विकास को बल मिले। मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने में सफल रहेगा। मैं संगठन का आजीवन सदस्य होने पर गौरान्वित महसूस करता हूँ। यह सम्मलेन उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

धन्यवाद


डा. सतीश चन्द्र द्विवेदी

प्रो० जय प्रकाश पाण्डेय
कुलपति

Prof. Jai Prakash Pandey
Vice Chancellor



डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

Dr. A.P.J. ABDUL KALAM TECHNICAL UNIVERSITY
Uttar Pradesh, Lucknow

दिनांक: 25 अक्टूबर, 2024



सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ है कि के०आई०पी०एम०-कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर द्वारा दिनांक 09 नवम्बर से 11 नवम्बर, 2024 तक "इंडिया अमृतकाल: समसामायिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर" विषय पर उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ के (UPUEA) 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है एवं इस अवसर पर संस्था द्वारा एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

अत्यंत प्रसन्नता का बात है कि उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ का उद्देश्य उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य में समतामूलक विकास के साथ शून्य आधारित गरीबी के लक्ष्य को प्राप्त करने का निरन्तर प्रयास कर रहा है।

यह स्मारिका अधिवेशन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों एवं गणमान्य व्यक्ति के लिए लाभकारी होगी एवं स्मृति चिन्ह के रूप में कार्य करेगी और भविष्य के प्रयासों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

मैं इस अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ, साथ ही आयोजित कार्यक्रम के सफल आयोजन तथा स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(प्रो० जय प्रकाश पाण्डेय)
कुलपति

Sector-11, Jankipuram Extension, Lucknow - 226031 (U.P.) India, Website : www.aktu.ac.in

(Office) : +91 522 2772189, 2772194

E-mail : vc@aktu.ac.in



KIPM - College of Management

(Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to AKTU, Lucknow)



दिनांक : 1 नवंबर, 2024

संदेश

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि के.आई.पी.एम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गीड़ा, गोरखपुर 9 से 11 नवंबर, 2024 तक उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ के 20वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

सम्मेलन का विषय, “भारत का अमृतकाल - अर्थव्यवस्था और व्यवसाय प्रबंधन के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर,” हमारे देश की महत्वाकांक्षाओं और लक्ष्यों को प्रतिबिंबित करता है, जो आर्थिक सशक्तिकरण और प्रगति की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

यह सम्मेलन उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों को आकार देने वाले महत्वपूर्ण आर्थिक मुद्दों, नीतियों, और प्रवृत्तियों पर चर्चा और ज्ञान-विनिमय के लिए विद्वानों, शोधकर्ताओं और व्यावसायिकों को एक साथ लाता है।

हमें इस वर्ष का सम्मेलन के.आई.पी.एम में आयोजित करने पर गर्व है, जहाँ हम बौद्धिक दृढ़ता, जिज्ञासा, और प्रगतिशील सोच को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारा संस्थान हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और हमारे छात्रों को समाज में विचारशील, जिम्मेदार और प्रभावी योगदानकर्ता बनने के लिए प्रेरित करता रहा है। इस सम्मेलन की मेजबानी हमारे उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जहाँ हम प्रबंधन और आर्थिक अध्ययन में ज्ञान-विनिमय और नवाचार के केंद्र बनने का प्रयास कर रहे हैं।

मैं सभी प्रतिभागियों को एक सफल और ज्ञानवर्धक अनुभव की शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी सत्रों से अमूल्य अंतर्दृष्टियाँ प्राप्त करेंगे। इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

Ran D. Singh

Er. R. D. Singh
Chairman

Campus & Mailing Address : Plot No. - BL 1 & 2, Sector - 9, GIDA, Gorakhpur
Greater Noida Off. : A-225, Sector TAU (Swam Nagar)

• Ph. : 08009902933-40
• Web : www.kipm.edu.in
• Ph. : 9212515066



INSTITUTE FOR HUMAN DEVELOPMENT

An ICSSR (Indian Council of Social Science Research) Recognised Institute

Plot 256, 2nd Floor, Okhla Industrial Estate, Phase - III

New Delhi - 110020

Phones: +911141064679 / +91 9871177540; Email: mail@ihdindia.org; Website: www.ihdindia.org

Ravi S. Srivastava Ph. D. (Cantab.)

Director, Centre for Employment Studies

Former President

Uttar Pradesh and Uttarakhand Economics Association

Former Chairman, Governing Board

Institute for Development Studies, Jaipur.

Former Professor & Chairman

Centre for the Study of Regional Development

Jawaharlal Nehru University, New Delhi



Mobile: 9810863346

Email: ravisriv@gmail.com &

ravi.srivastava@ihd.org

MESSAGE

I am happy to convey my best wishes for the 20th Annual Conference of the Uttar Pradesh and Uttarakhand Economics Association (UPUEA). The Conference is being organised in Gorakhpur by the KIPM – Institute of Management. Gorakhpur is not only the seat of the Gorakhnath Math, it is also the karma bhoomi of the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh, Yogi Aditya Nath ji. The Conference has received not only his support but also hat of Shri Brijesh Pathak, Hon'ble Deputy Chief Minister, Shri Daya Shankar ji, UP Transport Minister, Smt. Rajni Tiwari, Minister of State of Higher Education and numerous other dignitaries.

The KIPM Group of Institutions which is organising the conference is a prominent educational entity in Gorakhpur and Uttar Pradesh. The UPUEA is grateful to its founder. Engr. R. D. Singh, and Director, Jaiveer Singh for their help and support in organising the conference.

The UPUEA began from a modest beginning in the year 2005 with Prof. M. Muzammil as its President, and Prof. Shyam Kartik Mishra, as its Founder General Secretary. The Society and the Association today have over 1300 life members, of whom several are from other states and abroad. The Association Conference publishes a journal and organizes workshops and seminars in collaboration with universities and Colleges.

As former President of the Association, I am indeed happy at the continued progress of the Association under the stewardship of Prof. Ashok Mittal, former Vice Chancellor, Agra University, Prof. N. P. Varma, Vice Chancellor, B. R. Ambedkar University, Lucknow, Prof. Vinod Srivastava, R. M. L. University, Ayodhya, and other colleagues, and I wish the conference and the Association all success.

Yours truly

(Ravi S. Srivastava)



Prof A.K. Mittal

Association President, UPUEA

Message

The 20th Annual UPUEA Conference, themed "India Amrit Kaal: Paving the Way to A \$5 Trillion Economy through Contemporary Issues of Economy, Business, and Management," offers an apt and sound platform to dig into the pressing economic challenges and opportunities that faces the nation. Scheduled to take place from **November 9th to 11th, 2024**, at KIPM, Gorakhpur, this conference brings together distinguished academics, policymakers, industry leaders, and students to engage in stimulating discussions, share innovative ideas, and enable valuable connections. By delving into cutting-edge research, analyzing emerging trends, and addressing critical issues, this conference aims to make a significant contribution to India's economic growth and development. Through stimulating discussions and knowledge sharing, we hope to inspire innovative solutions to pressing challenges and foster a vibrant intellectual community. By bringing together experts from diverse fields, we can collectively contribute to shaping a prosperous and sustainable future for India.

This year's conference delves into five critical themes shaping India's economic and social landscape. The **first theme**, "Demographic Transition and Social Sector Challenges in India," explores the complex interplay between population change and social development, focusing on India's specific challenges. The **second theme**, "Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development," examines the intricate relationship between agricultural productivity, rural poverty alleviation, and environmental sustainability. The **third theme**, "India's External Sector Reforms and Challenges," analyzes the impact of trade policies, foreign direct investment, and exchange rate regimes on India's external sector. The **fourth theme**, "Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand," delves into the potential of these states to become major tourist destinations. Finally, the **fifth theme**, "Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge," examines the pressing issues of climate change, pollution, and resource depletion.

As we convene for this momentous occasion, I extend my heartfelt gratitude to the dedicated organizers who have worked tirelessly to bring us together. This conference provides a unique platform for intellectual exchange, fostering collaboration among distinguished scholars, researchers, and students. This is a fortunate opportunity to delve into the latest advancements in higher education, challenge conventional wisdom, and inspire future generations of academic leaders. With this event, we can create a lasting legacy of knowledge and innovation.

(Prof. Ashok Mittal)
President, Upuea

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
विद्या विहार, रायबरेली रोड
लखनऊ - 226 025, (उ.प्र.), भारत



Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
(A Central University)
Vidya Vihar, Raebareli Road
Lucknow-226 025 (U.P.), India

आचार्य एन.एम.पी. वर्मा
कुलपति

Prof. N.M.P. Verma
Vice Chancellor



No. VCS/24
Date 07/11/2024


संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ (यूपीयूईए) के 20वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 09 नवंबर से 11 नवंबर, 2024 तक केआईपीएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है जिसका विषय "इंडिया अमृतकाल: समसामायिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर" है।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन के लिए चुना गया विषय सामयिक रुचि का है। विकासशील दुनिया के "ओसत" नागरिक के लिए जीवन स्तर और आजीवन संभावनाओं में सुधार के लिए आर्थिक विकास एक पूर्व शर्त है। भारत एक मिश्रित एवं बाजार अर्थव्यवस्था है, और सरकार बाजार-निर्धारित जीडीपी और विनिमय दर के माध्यम से आर्थिक प्रगति की निगरानी करती है। भारत की आर्थिक विकास कहानी का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, लेकिन इसके सामने चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बढ़ती आबादी के लिए अधिक नौकरियाँ सृजित करने की आवश्यकता है। प्रभावशाली आर्थिक विकास के बावजूद, लाभ समान रूप से वितरित नहीं हुए हैं, आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी गरीबी में जी रहा है। आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने की कुंजी बढ़ती आय असमानता, कृषि संकट और श्रम बाजार और वित्तीय क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता जैसी चुनौतियों का समाधान करना होगा।

भारत सरकार द्वारा 2047 तक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने का जो लक्ष्य रखा है उसमें भारत डिजिटल परिवर्तन की राह पर आगे बढ़ रहा है। भारतीय समाज में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की बढ़ती पहुंच बड़े आर्थिक अवसर प्रस्तुत कर रही है। लगभग हर दिन नई, अत्याधुनिक तकनीकों के आने से, संगठनों को डिजिटल विरासत अपनाने की जरूरत का एहसास हो रहा है। वे तेजी से ऐसे नवोन्मेषी समाधान अपना रहे हैं जो उन्हें आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रासंगिक बने रहने में मदद कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, यह अमृत काल के शुरु में ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी। उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ते हुए शून्य गरीबी एवं 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रही है।

मैं इस सम्मेलन के माध्यम से इस बातचीत एवं मंच प्रदान करने के लिए केआईपीएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश को बधाई देता हूँ। साथ ही कार्यक्रम का आयोजन करने वाले संयोजकों की टीम को बधाई देना चाहता हूँ, तथा प्रतिभागियों को विचार-विमर्श में सफलता की कामना करता हूँ। उम्मीद है यूपीयूईए विकास रिपोर्ट तत्पश्चात् प्रकाशित होगा जिससे सरकार को नीति निर्धारण में मदद मिलेगी।


(नील मणि प्रसाद वर्मा)

Ph: 0522-2440820 (O), Email: vc@bbau.ac.in



डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)
Dr Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya (UP)

प्रो० प्रतिभा गोयल
कुलपति
Prof. Pratibha Goyal
Vice Chancellor



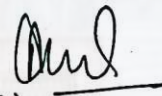
E-mail:- vc@rmlau.ac.in

दिनांक : ०९ नवम्बर, 2024

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि के०आई०पी०एम० कालेज ऑफ मैनेजमेन्ट, गीडा, गोरखपुर, उ०प्र० दिनांक 09.11.2024 से 11.11.2024 तक "इंडिया अमृतकाल : समसामायिक मुद्दों के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर" विषय पर उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ (UPUEA) के 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन कर रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस स्मारिका में सम्मिलित नवीन सूचनायें एवं निर्देशात्मक लेख नवयुवकों एवं प्रतिभागियों के सर्वांगीण विकास, उन्नयन एवं उन्हें प्रेरणा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

'स्मारिका' के इस संस्करण के सफल प्रकाशन के लिये शुभकामनाएं एवं अधिवेशन के आयोजक मंडल को मेरी हार्दिक बधाई।


(प्रो० प्रतिभा गोयल)

सेवा में,
इंजी० आर०डी० सिंह,
के०आई०पी०एम० कालेज आफ मैनेजमेन्ट,
गीडा, गोरखपुर।



Prof. Vinod Kumar Srivastava

General Secretary
Uttar Pradesh-Uttarakhand Economic Association (UPUEA)
Former Head, Department of Economics and Rural Development
Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya, (U.P.)

Mob. : +91-9415382891
8840416781
E-mail : vk621@yahoo.com
Web. : www.theupuea.org



Upuea Society for Promotion of Economics

Registration No. LUC/00551/2022-23

Ref. No.: Upuea/Conf./S.C.M/20

Date: 27-10-2024



Message

On behalf of the Uttar Pradesh-Uttarakhand Economic Association (UPUEA), we are pleased to welcome you to the 20th Annual Conference! The theme of this year's conference, "**India Amrit Kaal: Paving the Way to A \$5 Trillion Economy through Contemporary Issues of Economy, Business, and Management,**" is highly relevant as India embarks on a new chapter of economic growth and development. The conference is scheduled from November 9th to 11th, 2024, at KIPM, Gorakhpur. As we stand on the cusp of a new era in higher education, this conference offers a unique opportunity for collaboration and innovation. Eminent educators, researchers, policymakers, and scholars will convene to challenge conventional wisdom and explore new, vibrant ideas.

The five themes chosen for this year's conference delve into issues of profound significance. The first theme being **Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics** which explores the complex interplay between population change and social development, focusing on the specific challenges faced by India as it navigates this transition. The second theme delves in **Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development** reflecting on the intricate relationship between agricultural productivity, rural poverty alleviation, sustainability, examining the challenges and opportunities for achieving a balanced and equitable rural development. The third theme **India's External Sector Reforms and Challenges** focuses on the country's journey of economic liberalization, analyzing the impact of trade policies, foreign direct investment, and exchange rate regimes on its external sector performance and future prospects. The fourth theme **Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand** delves into the potential of these states to become major tourist destinations, while also addressing the obstacles hindering their full tourism potential. The fifth and the last theme for the conference is **Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge** that examines the pressing issues of climate change, pollution, and resource depletion, exploring their impacts on ecosystems, societies, and economies worldwide.

I would like to express my sincere gratitude to the dedicated organizers who have made this momentous event possible. As we gather here today, we have the unique opportunity to engage in stimulating discussions, forge meaningful connections, and delve into the latest advancements in higher education. By embracing this opportunity to push the boundaries of knowledge; we can create a legacy of intellectual exchange and inspire future generations of scholars and leaders.

Prof Vinod Kumar Srivastava
General Secretary, UPUEA.



KIPM - College of Management

(Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to AKTU, Lucknow)



दिनांक : 1 नवंबर, 2024

संदेश

मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है कि **के.आई.पी.एम. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गीडा, गोरखपुर, 9 नवंबर से 11 नवंबर, 2024** तक उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ के 20वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन का विषय है, **"भारत का अमृतकाल - अर्थव्यवस्था और व्यवसाय प्रबंधन** के माध्यम से \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर।"

यह आयोजन हमारी संस्था के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह एक ऐसा मंच है जो विद्वानों, शोधकर्ताओं, और नीतिनिर्माताओं को आर्थिक मुद्दों पर विचार-विमर्श और नवीन समाधानों के आदान-प्रदान के लिए एकत्रित करता है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों की आर्थिक प्रगति और समृद्धि को प्रोत्साहित करने में उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ का योगदान अतुलनीय है। इस सम्मेलन में होने वाली चर्चाएं और प्रस्तुतियां निश्चित रूप से हमारे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के प्रति नई दिशा और दृष्टिकोण प्रदान करेंगी।

केआईपीएम-मैनेजमेंट कॉलेज में हम हमेशा शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान को प्राथमिकता देते हैं, और इस प्रकार के सम्मेलन का आयोजन हमारी इसी प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह आयोजन प्रतिभागियों के बीच नए विचारों और दृष्टिकोणों को उत्प्रेरित करेगा और उन्हें हमारे देश की आर्थिक चुनौतियों के समाधान के प्रति प्रेरित करेगा।

हमारे विद्यार्थियों के लिए यह एक अनूठा अवसर है कि वे अग्रणी विशेषज्ञों से सीख सकें और अपने विचारों को समृद्ध कर सकें। मैं सभी प्रतिभागियों, अतिथियों, और वक्ताओं का हार्दिक स्वागत करता हूँ और इस सम्मेलन की सफलता की कामना करता हूँ। आशा करता हूँ कि यह आयोजन ज्ञान-वर्धक, उत्साहवर्धक, और सहयोगपूर्ण सिद्ध होगा और इसमें आपके योगदान भविष्य की दिशा को प्रभावित करेंगे।

Dr. Jaibeer Pratap Singh
Director

Campus & Mailing Address : Plot No. - BL 1 & 2, Sector - 9, GIDA, Gorakhpur
e-mail : kipm08@gmail.com; hodmba@kipm.edu.in
Greater Noida Off. : A-225, Sector TAU (Swarn Nagar)

• Ph. : 08009902933-40
• Web : www.kipm.edu.in
• Ph. : 9212515066

20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

HONOURABLE TITANS OF THE CONFERENCE



Shri Yogi Adityanath Ji
Hon'ble Chief Minister
Uttar Pradesh



Shri Brijesh Pathak
Hon'ble Deputy Chief Minister
U.P.



Mr. Yongendra Upadhyaya
Hon'ble Cabinet Minister
Higher Education, U.P.



Smt. Rajni Tiwari
Hon'ble State Minister
Higher Education, U.P.



Sri. Dayashankar Singh
Hon'ble State Minister (Independent Charge)
Dept. of Transport, U.P.



Prof. Ramesh Chand
Member
NITI Aayog, New Delhi



Prof. Deepak Kumar Srivastava
Chairman
ICSSR, New Delhi

20th Annual National Conference of UPUEA

About UPUEA

The Uttar Pradesh-Uttarakhand Economic Association-UPUEA is a premier society of Economists for promotion of Economics. **The UPUEA was established in 2005 as a leading professional association of over 2700 academicians, policy makers and research scholars who are dedicated to advancing the field of economics in both the states.** The UPUEA organizes annual conferences to provide a forum for discussing the contemporary economic issues of India, with a special emphasis on the challenges and opportunities faced by Uttar Pradesh and Uttarakhand. It also offers evidence-based policy recommendations to address these issues. Furthermore, it fosters original research in the area of regional economic issues, with a specific focus on enhancing the capabilities of young teachers and research scholars in the discipline of economics. The UPUEA publishes a peer reviewed bilingual Economic Journal that showcases the research on the development of Uttar Pradesh and Uttarakhand. The UPUEA also supports and facilitates the sponsorship of research projects undertaken by its members on disciplinary and inter- disciplinary economic issues, with an aim to contribute to the knowledge base that can facilitate the development of economically underdeveloped regions. Additionally, it encourages its members to organize seminars, symposia, workshops and training courses for their professional development in Economics.

About KIPM College of Management

Located in the area of Gorakhpur Industrial Development Authority (GIDA), Gorakhpur; KIPM-College of Management was established in 2009, under the aegis of Ashutosh Shiksha Evam Sewa Sansthan under the benevolent guidance and leadership of Er. R. D. Singh (President of the Society) with a vision "to become a leading college in the field of Management, promoting academic excellence in Management education and to develop entrepreneurial abilities and inculcate ethical values among our students". The Promoters are driven by the objective that our students need to be highly accomplished, enterprising, and committed citizens so that they deliver the best values. To achieve such an objective, the institute follows a well-designed and professionally formulated way of doing things supported by proficient and experienced teachers, a set of adequate infrastructure, and a good ambiance. The Institute is ISO 9001:2008 QMS Certified for both its Post-graduate (MBA & MCA) and undergraduate courses (BBA & BCA).

About Gorakhpur

Gorakhpur takes its name from Guru Gorakhnath, the incarnation of Lord Shiva, whose temple in the city is the main center of devotion and faith for millions of Hindus. This iconic Gorakhnath temple is associated with the Nath sect. Nestled along the banks of the river Rapti in eastern Uttar Pradesh, Gorakhpur is considered to be a gateway to Hinduism and Buddhism. Located near the border of Nepal, this city stands as a solid reminder of cultures and religions that have co-existed throughout history. Gorakhpur has its own cultural and historical importance. It is the birthplace of famous Urdu poet Firaq Gorakhpuri and, the workplace of writer Sh. Munshi Prem Chand and mystic poet Kabirdas. It is also associated with Gautam Buddha and Lord Mahavir, Martyr Pt. Ram Prasad Bismil, Bandhu Singh and many more. Besides, Gorakhpur is known for Gita Press, the world's largest publishing house of Hindu Holy text Bhagwat Gita, established in 1922. The city is also famous for Terracotta potteries, listed recently among ODOP Schemes of UP Government. Hometown of Chief Minister Yogi Adityanath, the city is witnessing massive academic and rapid industrial growth under his visionary leadership with multiple educational institutes and hundreds of Industries being set up in Gorakhpur and its outskirts areas.

Nearby Visiting Sites from Gorakhpur



**Gorakhnath Temple
Gorakhpur**



Kushinagar



Kapilvastu



**Shaheed Smarak
ChauriChaura**



Lumbini

20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)



Upuea Life Membership Registration Slip Application for Upuea Membership

Membership Annual/Life/Institutional/Corporate/Donor/Research Scholar/Other/
Renewal of Membership.

Dear Sir,

I would like to be a life/institutional member of Upuea. Membership fee amount
Rs. Cash/Demand Draft/Cheque/Online Transaction No.
Date is being enclosed here with.

The details regarding me are as follows:

1. Name : (with title, e.g. Prof./Dr./Mr./Ms.)
2. Male/Female :
3. Designation and Office Address : (If retired, latest address)
4. Mailing Address.
5. Contact Detail with Email Id :

6. Payments being made :

Payment can be made by Cash, Demand Draft or Cheque, Demand Draft
may be drawn in favour of
Upuea, payable at Lucknow.

Account Details: AC. No. 41039836570

IFSC Code : SBIN0016731

State Bank of India (SBI) Sainik School Branch, Sarojini Nagar, Lucknow.

Signature

Recommended by :
Name & Address

Note :

Please return this form and your payment details to :-

Prof. Vinod Kumar Srivastava, General Secretary, Upuea

Department of Economics & Rural Development

Dr. R.M.L. Avadh University, Ayodhya (U.P.) - 224001

Email : vksb621@yahoo.com conferenceupuea@gmail.com

Mobile : 91+9415382891

Website: <https://theupuea.org/>

Note : 1. Membership Fee : Life Members Rs. Three Thousand (Rs. 3000/=) only.

2. Membership fee should be sent by Bank Draft in favour of "The Secretary Upuea A/C. No.
4103983570, IFSC Code : SBIN001731" Payable At Sainik School Branch, Sarojini Nagar,
Lucknow.

20th Annual National Conference of UPUEA

**"India Amrit Kaal: Paving the Way to a \$5 Trillion Economy through Contemporary issues of Economy, Business, and Management."
India's Amrit Kaal: A Vision for a \$5 Trillion Economy**

Conference Theme

India's Amrit Kaal presents a unique opportunity for transformative economic growth. It stands at a pivotal moment in its history, poised to embark on a transformative journey towards a \$5 trillion economy. This ambitious goal, envisioned for the Amrit Kaal, requires a concerted effort to address key challenges and leverage the nation's strengths. At the heart of this transformation lies the need for sustainable economic growth. To achieve this ambitious goal, India must leverage its strengths in economy, business and management, and prioritize effective management practices across various sectors addressing key challenges and adopting innovative strategies. By adopting modern management techniques and strategies, Indian businesses can enhance their competitiveness, efficiency, and sustainability, contributing significantly to overall economic growth and development. This concept note outlines the critical areas that require strategic focus.

Agriculture, a cornerstone of India's economy, must undergo a paradigm shift. By adopting sustainable practices, increasing productivity, and improving market access and management practices, India can not only ensure food security but also alleviate rural poverty. The nation's external sector reforms, including trade liberalization and foreign investment attraction, are equally crucial for driving economic growth and enhancing global competitiveness.

The demographic dividend, a period of increasing working-age population, presents both opportunities and challenges. To maximize its benefits, India must invest in education, healthcare, and social welfare. A skilled and healthy workforce is essential for driving innovation and productivity. Addressing climate change and environmental degradation is another imperative. India must transition towards a greener economy, adopt renewable energy sources and invest in sustainable climate management practices. This not only contributes to global efforts to combat climate change but also ensures a sustainable future for India's resources and environment. Fostering a culture of innovation and entrepreneurship is vital for driving economic growth and creating new opportunities.

Finally, exploring tourism opportunities can boost economic growth and create jobs. By promoting India's rich cultural heritage, natural beauty, and adventure tourism, the nation can attract visitors and generate revenue. However, it is essential to address challenges such as infrastructure development and safety concerns to ensure a positive tourism experience. Embracing digital technologies in this regard too can

revolutionize business operations, improve efficiency, and enhance customer experience. Investing in digital infrastructure, promoting e-commerce, and adopting data-driven decision-making can position Indian businesses for success in the digital age.

In conclusion, by focusing on effective management practices, Indian businesses can play a pivotal role in achieving the ambitious goal of a \$5 trillion economy. It requires a multifaceted approach that addresses the interconnected challenges and opportunities facing India. By focusing on agricultural growth, external sector reforms, human capital development, climate action, and tourism, and improving corporate governance, fostering innovation and entrepreneurship and embracing digital transformation, Indian economy can enhance its competitiveness, efficiency, and sustainability, contributing to a prosperous and sustainable future for the nation.

Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics

India's demographic transition presents a complex interplay of opportunities and challenges. While the country benefits from a large working-age population, it also faces issues such as a growing elderly population, declining female work participation rate (FWPR), and skill gaps. With a large youth population, India has a unique opportunity to capitalize on its demographic dividend and achieve its vision of becoming a developed nation by 2047. However, this window of opportunity is limited, and India must act swiftly to harness its youth power productively. To capitalize on the demographic dividend and address these challenges, India must invest in education, vocational training, healthcare, social security, and gender equality. Aligning education with industry needs, promoting women's entrepreneurship, and ensuring adequate healthcare for the elderly are crucial steps towards a sustainable and inclusive future.

Harnessing the Demographic Dividend

To effectively capitalize on the demographic dividend, India must invest in human capital development, including education, skills training, and healthcare. Aligning education with industry needs and promoting women's entrepreneurship are crucial for maximizing the benefits of a young workforce.

Addressing the Challenges of an Aging Population

India's rapidly aging population presents significant challenges in terms of healthcare, economic security, and social isolation. Ensuring adequate healthcare, pension schemes, and social support for the elderly is essential.

The puzzle of low female work participation rate (FWPR)

Addressing the declining FWPR requires addressing factors such as rigid work schedules, lack of childcare facilities, safety concerns, and promoting women's entrepreneurship. Enhancing women's economic empowerment can contribute to overall economic growth and development.

Dual Disease Burden

India faces a dual disease burden, with high rates of infant and child mortality as well as chronic diseases among the elderly. Addressing this requires improving healthcare infrastructure, promoting preventive healthcare, and addressing malnutrition and undernourishment.

Inclusive growth is essential for ensuring that every citizen has equal access to necessities and opportunities. The theme of "Demographic transition and social sector challenges in India" is highly relevant in this context. By addressing these challenges and effectively utilizing its demographic dividend, India can achieve its ambitious goals of becoming a developed nation and a \$5 trillion economy.

The sub themes are:

- Large ageing population: the challenge of providing a life of dignity.
- Demographic Transition and Dual Disease Burden in India.
- Demographic transition and sustainable development
- Demographic dividend and Employment issues in India
- Demographic transition and Human development in India: issues and challenges
- Demographic transition, healthcare and Inequality
- Demographic transition, Quality education and educational disparity
- Developing vocational training programs and industry-academia partnerships.
- Promoting STEM education and vocational training.
- Encouraging women's participation in entrepreneurship and leadership roles.
- Promoting innovation and entrepreneurship in the social sector.
- Managing rapid urbanization and addressing challenges like housing, infrastructure and pollution.
- Managing migration flows and maximizing the benefits of remittances.
- Addressing the challenges of brain drain.
- Leveraging technology to address social sector challenges and improve service delivery.
- Utilizing digital technologies for social inclusion and empowerment.

Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development

Agricultural growth has been widely recognized as an effective tool for reducing rural poverty in developing countries. However, the relationship between agricultural income growth and rural poverty reduction is complex and multifaceted. This concept note aims to examine the factors influencing this relationship, the importance of agricultural diversification and institutional support, and the need for sustainable agricultural practices.

Agricultural Growth and Rural Poverty

While there is ample evidence that agricultural growth can contribute to rural poverty reduction, the effectiveness of this relationship can vary depending on several factors. In diverse countries like India, state-level evidence may reveal varying patterns. Understanding the specific context and factors influencing the relationship between agricultural growth and rural poverty is crucial for designing effective poverty reduction strategies.

Diversification of Agriculture, Markets, and Institutions

Diversifying agricultural production towards high-value agriculture (HVA), such as horticultural crops, is a key strategy for raising incomes of agricultural and rural households. Strengthening linkages between farm and rural non-farm sectors is essential for creating new market opportunities and increasing value addition. Market reforms and the promotion of agricultural processing can further enhance the profitability of agricultural activities. Scaling up operations can lead to economies of scale, facilitating access to larger markets and generating employment opportunities both on and off farms. However, achieving these benefits requires strong institutional support from cooperatives, farmer producer organizations, and self-help groups.

Sustainability of Agriculture

While intensive agriculture can increase productivity and income, it often comes at the cost of natural resources. Ensuring the sustainability of agricultural practices is crucial in the context of climate change and environmental preservation. Recent advancements in climate-resilient agriculture offer promising solutions to address these challenges. In India, the promotion of Zero Budget Natural Farming (ZBNF) as a national farming strategy is gaining attention. However, the potential impact of ZBNF on food security needs to be carefully evaluated.

Agricultural growth, rural poverty reduction, and sustainable development are interconnected issues. By diversifying agriculture, strengthening market linkages, promoting institutional support, and adopting sustainable practices, India can achieve its goals of reducing rural poverty and ensuring a sustainable future for its agricultural sector. Further research and policy analysis are needed to deepen our understanding of these complex relationships and inform effective policy interventions.

The following sub-themes deserve attention:

- Agriculture sector growth and rural poverty.
- Diversification of crops towards high value agriculture and agro-processing.
- Scale economies in agricultural production and agro-processing and the role of institutions.
- Sustainability of agricultural practices, Zero Budget Natural Framing and Food security.
- Improving the efficiency and sustainability of agricultural supply chains.
- Developing agribusiness enterprises and cooperatives.
- Investing in agricultural technology and innovation.
- Promoting social inclusion and empowerment of marginalized groups

Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges

India's external sector policies have undergone significant transformations since independence, culminating in a shift towards a more open economy in 1991. This concept note analyzes the successes and challenges of these reforms and discusses strategies for further progress.

The liberalization of India's external sector has led to several positive outcomes. The composition of Indian exports has shifted from mineral and agro-based products to sophisticated technology, value-added services, and manufactures. Indian exports have diversified to include Latin America, Africa, and the Commonwealth of Independent States (CIS), expanding its market reach. The value of Indian exports has increased substantially, reaching US\$800 billion from nearly US\$70 billion. India has also accumulated substantial foreign exchange reserves and signed trade agreements with over 70 countries. Despite the successes of India's external sector reforms, challenges remain. The growing balance of payments deficit, particularly with China, is a significant concern. India's manufacturing sector also faces challenges, with imports exceeding exports. Additionally, India's dependence on imported pulses and edible oils, despite being a net exporter of agricultural goods, is another area of concern. To achieve the status of "Viksit Bharat," India must address these challenges and capitalize on opportunities in the global market.

Sub Themes

- India's export strategy for next decade.
- India's manufacturing export challenges.
- Indian Service exports: Planning for new competition.
- India's trade with China and Asian countries.
- Foreign exchange reserve and strengthening of Indian currency.
- Foreign direct investment and Foreign portfolio investment management.
- A review of bilateral and Multilateral Trade Agreements. Indo UK trade agreement.
- Export diversification challenges.
- WTO and IPR- Protecting and enforcing IPR to promote innovation and competitiveness.
- India's Trade Prospects and Sustainable Development.
- Export Promotion and Social Sector
- Analyzing and advocating for trade policies that support Indian businesses.
- Impact of exchange rate fluctuations on Indian businesses.
- Financing options for Indian exporters.
- Managing global supply chains effectively to ensure efficient and cost-effective operations.
- India's interests in international trade negotiations.

Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand

Tourism has emerged as a significant economic sector worldwide, contributing to job creation, foreign exchange earnings, and cultural exchange. Exploring tourism opportunities involves identifying potential destinations, understanding market trends, and developing strategies to attract and retain visitors. Uttar Pradesh and Uttarakhand, two states rich in cultural heritage, natural beauty, and historical significance, offer immense potential for tourism development. It is crucial to delve deeper into the tourism opportunities and challenges faced by these states, and propose comprehensive strategies for sustainable and inclusive growth.

The two states boast a wealth of cultural heritage, including ancient temples, forts, and UNESCO World Heritage Sites such as the Taj Mahal, Agra Fort, and the Kedarnath Temple. The Himalayas, Ganges River, and diverse landscapes offer stunning natural attractions for adventure tourism, eco-tourism, and spiritual retreats. However, challenges such as lack of infrastructure, safety concerns, environmental issues, and limited promotion hinder tourism growth. To address these challenges, strategies like infrastructure development, safety measures, sustainable practices, community involvement, diversification, marketing, skill development, and public-private partnerships can be implemented to create sustainable and inclusive tourism destinations in the two states. This framework outlines key considerations for exploring tourism opportunities and ensuring sustainable development both in Uttar Pradesh and Uttarakhand.

Sub Themes:

- Cultural tourism experiences: Integration of cultural heritage with local communities.
- Prospects of Employment generation through Tourism Development.
- Spiritual tourism infrastructure and Uttar Pradesh /Uttarakhand Economy
- Developing community-based tourism initiatives and ensuring sustainable rural development.
- Tourism and Infrastructure Development in Uttar Pradesh /Uttarakhand.
- Tourism and Safety – Security Measures.
- Tourism development and Environmental Sustainability: Protection of natural ecosystems and biodiversity.
- Effective marketing strategies in Tourism Promotion: Utilizing digital marketing and social media.
- Role of local communities in tourism development.
- Entrepreneurship in the tourism sector in Uttar Pradesh /Uttarakhand.
- Public-Private Partnership and sustainable tourism development.
- Creating effective marketing campaigns to attract domestic and international tourists.
- Training and development programs for tourism professionals.
- Promoting hospitality and customer service excellence.
- Conducting research and analysis to understand tourist preferences, trends, and challenges.
- Using data-driven insights to inform decision-making and improve tourism strategies.

Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge

The interconnected threats of climate change and environmental degradation pose significant risks to global economies and societies. As a universal issue affecting every individual on Earth, climate change presents a formidable challenge that cannot be reversed quickly or through the actions of a few nations alone. While developed nations possess greater adaptability, mitigation capacity, and resilience, developing nations like India face heightened vulnerability to these challenges. The vulnerability of developing nations like India is much higher.

Globally, nations are increasingly aligning their economic policies with climate goals. International organizations like the UNFCCC, UNEP, IPCC, and others have been instrumental in guiding countries towards local solutions for global climate challenges. Recent conferences, such as COP28, have signalled a significant shift away from fossil fuels, emphasizing a just and equitable transition, establishing new funding mechanisms for "Loss and Damage," strengthening resilience, linking climate action with nature conservation, and addressing climate-related health issues.

Economic strategies that prioritize innovation, technological advancement, renewable energy, and sustainable agriculture are gaining momentum worldwide. These approaches aim to balance economic growth with environmental sustainability and mitigate the impacts of climate change. India has emerged as a global leader in combating climate change, actively participating in international alliances and agreements. Committed to a sustainable future, India aims to achieve net-zero emissions by 2070. Its National Action Plan on Climate Change (NAPCC) outlines strategies for promoting renewable energy (solar, wind, biomass, waste-to-energy, nuclear), electric vehicles, and sustainable habitats. India's investments in these areas have made it a major player in the global renewable energy market.

Given the urgency of these issues at the global level, there is a pressing need for economic strategies that can effectively address climate change and environmental degradation while promoting sustainable development. This conference explores innovative approaches to integrating economic growth with environmental sustainability, focusing on key areas where strategic intervention can make a difference.

Sub-Themes: Exploring Economic Strategies

- Impact of Climate Change on Food Security and Agriculture
- Energy Transition and Climate Finance
- Issues and Solutions of 'Just Transition'
- Role of Urban Local Bodies: Policies and Effectiveness
- India's Status and Path on Net Zero Emissions
- Implementing green supply chain management and sustainable procurement.
- Investing in climate-smart technologies and innovations.
- Investing in clean technologies and renewable energy.
- Adopting innovative business models that address climate challenges.
- Disclosing climate-related financial risks and opportunities in corporate reporting.



**20th Annual National Conference of
Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)**

Conference Schedule

Assembly of Office Bearers of UPUEA

Date: November 08, 2024 (Friday)

Time: 5.30 P.M.

Venue: Conference Hall,

KIPM College of Management, Gorakhpur

Event	Time	Concern Person/ Venue
WELCOME	05.30 PM	Office Bearers of UPUEA, Invited Guest & Delegates
Host Welcome Meeting with UPUEA Members	05.45 PM- 07.30 PM	Venue: Conference Hall, KIPM
Tea Break	07.30 PM-07.45 PM	Venue: Main Lawn, KIPM
Dinner	08.30 PM.....Onwards	Front Lawn, KIPM

Prof. Vinod Kumar Srivastava
General Secretary, UPUEA

Prof. Jaibeer Singh
Director
KIPM College of Management
Convener, 20th Conference of UPUEA



**20th Annual National Conference of
Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)**

**Breakfast and Assembly of Office Bearers of
UPUEA**

Date: November 09, 2024 (Saturday)

Time: 08.00 A.M.

(Assembly, Registration & Breakfast)

**Venue: Institute's Auditorium,
KIPM College of Management, Gorakhpur**

Inaugural Ceremony

09th November, 2024

10:30 AM – 01:00PM

Minute To Minute Inaugural Programme (Tentative)		
Venue: Institute Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur		
Session coordinator- Dr. Akriti Tripathi, KIPM College of Management, Gorakhpur		
Event	Time (10.30AM-10.45 AM)	
Floral Tribute	10.30AM-10.32 AM	
Lightening of Lamp	10.32 AM-10.35 AM	
Kulgeet	10.35 AM -10.40 AM	
Bouquet Presentation	10.40 AM -10.45 AM	
Welcome Address	10.45 AM -10.50 AM	Prof. Jaibeer Pratap Singh, KIPM, Convener, 20thUPUEA Conference
Introduction to Guests	10.50 AM -10.55 AM	Prof. Vinod Kumar Srivastava, General Secretary, UPUEA, Department of Economics and Rural Development, Dr. Rammanohar LohiaAvadh University, Ayodhya
About the Conference theme	10.55AM -11.05 AM	Prof. Ravi Srivastava, Professor (Retd), Jawaharlal Nehru University, New Delhi & President Emeritus, UPUEA.
About the UPUEA	11.05 AM -11.15 AM	Prof. Ashok Mittal, Former Vice- Chancellor Dr. B.R. Ambedkar University Agra & President, UPUEA.
Address by Guest of Honour	11.15 AM - 11.30 AM	Prof. NMP Verma, Vice- Chancellor, BBA Central University, Lucknow.



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Address by Guest of Honour	11.30 AM - 11.40 AM	Prof. Satish Chandra Dwivedi , Former Hon'ble Basic Education Minister, Uttar Pradesh. Buddh Vidya Peeth, Siddharth Nagar, Uttar Pradesh
Special Blessings Address (On-Line)	11.40 AM - 11.50 AM	Sri Brijesh Pathak Ji Hon'ble Deputy Chief Minister, UP
Address by Chairman KIPM	11.50 AM – 11.55 AM	Er. R. D. Singh Founder, KIPM
Address by Chief Guest	11.55 AM - 12.20PM	Smt. Rajni Tiwari Ji <i>Hon'ble Minister of State (Higher Education), Uttar Pradesh</i>
Presidential Address	12.20PM - 12.40PM	Prof. Manmohan Krishna. Conference President
Kautilya Award	12.40PM -12.45PM	Reading of Citation: Dr. Anamika Choudhary , Joint Secretary, UPUEA Acceptance Speech: Prof. Ravi Srivastava, Professor (Retd), Jawaharlal Nehru University, New Delhi
Mementos Presentation and Release of Conference Volume Souvenir and Books	12.45PM- 12.50PM	Dr. Alka Srivastava & Dr. Sarita Dwivedi Dr. Rammanohar Lohia <i>Avadh University, Ayodhya</i>
Vote of Thanks	12.50PM-12.55PM	Dr. Dharendra Bahadur Singh , KIPM, Local Organising Secretary
National Anthem	12.55PM... (52 Seconds)	Cultural Team, KIPM
Rapporteur		Dr. Urjaswita Singh , Mahatma Gandhi Vidyapeeth, Varanasi, UP. Dr. Mamta Yadav, KIPM College of Management, Gorakhpur
High Tea Break	01.00PM-01.10 PM	Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Theme-wise Keynote Addresses (Theme 1st to 3rd)

Plenary Session 1: Theme-wise Keynote Addresses	01.10 PM- 02.50 PM	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
Session Coordinator		Dr. Akriti Singh, KIPM College of Management, Gorakhpur, UP
Chair		Prof. P.K. Sinha, Former Vice Chancellor, Dr. RMLA University, Ayodhya
Discussant		Prof. Sandeep Kumar, Head, Department of Economics, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University (DDU), Gorakhpur.
Rapporteur		Dr. Shalini Chaudhary, Uttarakhand Open University, Haldwani. Dr. Rashmi, P.B. P.G. College, Pratapgarh, UP.
Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics.		
Key Speaker		Prof. Shakti Kumar, Chairperson, CESPJNU, New Delhi.
Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development.		
Key Speaker		Prof. P.S. Vashishtha, Former Director, Agriculture Economics Research Centre, University of Delhi
Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges.		
Key Speaker		Prof. Manmohan Krishna, Dept. of Economics, University of Allahabad, Prayagraj.
Lunch	02.50 PM-3.30 PM	Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Theme-wise Keynote Addresses (Theme 4th & 5th)

Plenary Session 2: Theme-wise Keynote Addresses	3.30PM - 05.00 PM	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
Session Coordinator		Dr. Sakshi Srivastava, KIPM College of Management, Gorakhpur, UP
Chair		Prof. NMP Verma, Vice- Chancellor, BBA Central University, Lucknow.
Discussant		Prof. Mridula Mishra, Former Head, Department of Economics & RD, Dr. Rammanohar Manohar Lohia Avadh University, Ayodhya.
Rapporteur		Dr. Savita Dwivedi, Dr. RMLA University, Ayodhya. Dr. Maneesh Kumar, DDU University, Gorakhpur, UP.
Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand.		
Key Speaker		Prof. Yashvir Tyagi, Former Professor, Dept. of Economics, Lucknow University, Lucknow, Uttar Pradesh.
Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge.		
Key Speaker		Prof. Prashant Kumar Ghosh, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh.
Tea Break	05.00 PM-05.10 PM	Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Memorial Lecture-01		
Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur		
Session Coordinator		Dr. Deepika Chauhan , KIPM College of Management, Gorakhpur
Special Plenary Session –III Memorial Lecture-01	05.10PM-06.10 PM	Prof. M. Muzzammil Memorial Lecture On “Growth Dynamics of Uttar Pradesh: Some Recent Experiences”
Chair		Prof. Ashok Mittal , Former Vice Chancellor, Dr.BhimraoAmbedkar University, Agra.
Discussant		Prof. B.N. Singh , Former Director, RajarshiTandon Open University, Prayagraj.
Lecture By		Prof. A.P. Tiwari ,Former Head, Dept. of Economics and Dean Academics, DSMNRU, Lucknow, UP.
Rapporteur		Dr. Niharika Srivastava , PB P.G. College Pratapgarh, UP. Dr. Savitri Yadav ,KIPM College of Management, Gorakhpur
UPUEA Executive Committee (EC) Meeting	06. 10 PM -07.10 PM	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
Tea Break	07.10 PM- 07.15 PM	Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur, UP
Cultural Programme Followed by Kavi-Sammelan	07.15 PM-09.00 PM	Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
Dinner	09.00 PM Onwards	Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

DAY 2
November 10, 2024
(Sunday)

Parallel Panel Discussion Session

10/11/2024

09.30 AM- 11.00 AM

09.30 AM- 11.00 AM

Panel Discussion Session-I

Session Coordinator- Dr. Prashant Chaturvedi, KIPM College of Management, Gorakhpur

Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics

Chair	09.30 AM- 11.00 AM	Prof. Jagdeesh Narayan , Allahabad Central University, Prayagraj, Uttar Pradesh.
Discussant		Prof. A. K. Gaur , Department of Economics, BHU, Varanasi, UP
Rapporteur		Dr. Manas Mani Tiwari , JNPG College, Lucknow, UP Dr. KiranYadav , BBAU, Lucknow.
Panellists		<ul style="list-style-type: none"> ➤ Prof. Shakti Kumar, Chairperson, CESPJNU, New Delhi. ➤ Dr. Anamika Choudhary, DSMNRU, Lucknow ➤ Prof. P.S. Bisht, Kumaun University, Nainital, UK ➤ Prof. Prahlad Kumar, Allahabad University, Prayagraj, UP
Venue		Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur

09.30 AM- 11.00 AM

Panel Discussion Session-II

Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development

Chair	09.30 AM- 11.00 AM	Prof. Rajendra P. Mangain , Professor, Dean & HOD, Department of Economics, Doon University, Dehradun, U.K.
Discussant		Prof. J.B. Komaraiah , Department of Economics, BHU, Varanasi, UP
Moderator		Dr. S.N. Singh , Bundelkhand University Jhansi, UP
Rapporteur		Dr. Alka Srivastava , Dr.Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
Panellists		<ul style="list-style-type: none"> ➤ Prof. S.P. Singh, Indian Institute of Technology, Roorkee, UK ➤ Prof. Roli Mishra, University of Lucknow, Lucknow ➤ Prof. A.K. Goyal, DDU University, Gorakhpur, UP
Venue		Conference Hall, KIPM
Tea Break	11.00 AM - 11.15 AM	Venue: Conference Hall, KIPM



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

09.30 AM- 11.00 AM		
Panel Discussion Session-III		
Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges		
Chair	09.30 AM-11.00 AM	Prof. I. D. Gupta , Former Professor of Economics, University of Lucknow, Lucknow
Discussant		Dr. Manohar Manoj , Chief Editor, Economy India
Rapporteur		Dr. Pradeep Kumar Tripathi , Head, Deptt. of Applied Economics, RajjuBhaiya State University Prayagraj, UP Dr. Mukesh Kumar , BBAU Lucknow.
Panellists		<ul style="list-style-type: none"> ➤ Prof. S.P. Sharma, Chief Economist & Deputy General Secretary, PHD Chamber of Commerce and Industry ➤ Prof. Alpna Srivastava, Amity University, Lucknow ➤ Prof. C.B. Singh, Dean, Bundelkhand University, Jhansi ➤ Dr. Manokamna Ram, Department of Economics, BHU, Varanasi, UP
Venue		Conference Hall, KIPM.

Parallel Panel Discussion Session

10/11/2024

11.00 AM- 12.15 PM

11.00 AM- 12.15 PM		
Panel Discussion Session-IV		
Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand		
Chair	11.00 AM-12.15 PM	Prof. Ravi Srivastava , IHD, New Delhi
Discussant		Prof. I. C. Awasthi , New Delhi
Moderator		Dr. Nandan Singh Bisht , Department of Economics, D.S.B. Campus, Kumaun University, Nanital
Rapporteur		Dr. Sarita Dwivedi , Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya Dr. Mamta Singh , Smile National P.G. College. Meerut, UP
Panellists		<ul style="list-style-type: none"> ➤ Prof. Dinesh Kumar, CCS University, Meerut UP ➤ Prof. Dalip Kumar, NCEAR, New Delhi ➤ Prof. Surjeet Singh, Deptt. of Economic DSM P.G College Roorkee ➤ Prof. Bhupendra Tiwari Dean, School of Commerce of Management CMR University, Bangalore
Venue		Conference Hall, KIPM.



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

11.00 AM- 12.15 PM		
Panel Discussion Session-V		
Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge		
Chair	11.00 AM- 12.15 PM	Prof. Yashvir Tyagi , Former Professor, Dept. of Economics, Lucknow University, Lucknow ,Uttar Pradesh.
Discussant		Prof. V.D. Sharma , Former Dean, Faculty of Management V.B.S Purvanchal University, Jaunpur, UP
Rapporteur		Dr. Devesh Mani Tiwari , Deptt. of Economics, Govt. Degree college Hata, Kushinagar, UP Dr. Swati Tamta , MaharanaPratap Government Degree College Nanakmatta, USN, Uttarakhand
Panellists		<ul style="list-style-type: none"> ➤ Prof. Mrutunjaya Mishra, BHU, Varanasi ➤ Dr. Piyush Rautela, Director, DMMC/USDMA Dehradun, UK ➤ Prof. Sanatan Nayak, Head, Department of Economics, Babasaheb BhimraoAmbedkar University (BBAU), Lucknow. ➤ Dr. Anamika Choudhary, Head, Dept. of Economics, DSMNRU, Lucknow.
Venue		Conference Hall, KIPM.
Tea Break	12.15 PM-12.30 PM	
Memorial Lecture-02		
Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur		
Session Coordinator		Dr. Priya Chaturvedi , KIPM College of Management, Gorakhpur
Special Plenary Session –III Memorial Lecture-02	12.30 PM-01.15 PM	Prof. S.K. Mishra Memorial Lecture “Invisible Burden : Women”s Care Work and it’s Impact on Demographic Trends in Varanasi”
Chair		Prof. Mridula Mishra , Coordinator Central & Estern Uttar Prdesh Upuea, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
Discussant		Prof. DhiresH Kulshesthra , Dean, Chitkara University, Punjab
Moderator		Dr. Sheo Kumar Lal , Govt. P.G. College Doiwala, Dehradun, U.K
Lecturer By		Prof. Anup Kumar Mishra , D.A.V. P.G. College, Varanasi, UP
Rapporteur		Dr. Savita , Head, Department of Economics, I.G.G.P.G. College, Bangarmau, Unnao, U.P.
Lunch	01.15 PM-02.00 PM	



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Parallel Technical Sessions

10/11/2024

02.00 PM – 04.00 PM

Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics	
Session Coordinator: Krishna Jaiswal , KIPM College of Management, Gorakhpur	
Chair	Prof. Ashutosh Sinha, Head & Dean Department of Economics and Rural Development Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya, Uttar Pradesh
Discussant	Prof. P.K. Pandey, Former Dean And Head MGKVP, Varanasi, UP
Moderator	Dr. Manoj Kumar, Department of Economics, BHU, Varanasi, UP
Rapporteur	Dr. Dinesh Kumar Gupta, Government Degree College Banbasa, Champawat, Uttarakhand
Paper Presenters	Total Number = 15
Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development	
Chair	Prof. Bharti Pandey, Head Dept. of Economics, Shri Jai Narain Misra P.G. College
Discussant	Prof. Prashant Agrawal, SRK P.G College Firozabad, UP
Moderator	Dr. Priya Kumari, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
Rapporteur	Dr. Umesh Chandra Yadav, Associate Professor, Department of Economics, Vikramajit Singh Sanatan Dharma College, Kanpur, U.P.
Paper Presenters	Total Number = 15
Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges	
Chair	Prof. Angrej Singh Rana, Principal, GSPG College, Sultanpur, UP
Discussant	Prof. Dimpal Vij, Principal AKP P.G. College Khurja, Bulandshahar, UP
Moderator	Dr. Nimish Gupta, Amity University, Lucknow, UP
Rapporteur	Dr. Narendra Kumar, Faculty Member, Department of Economics, DSMNR University, Lucknow (UP)
Paper Presenters	Total Number = 15



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand		
Chair	Prof. V.B. Chaurasia , DAV College Dehradun	
Discussant	Dr. Jai Prakash Verma , Regional Director, IGNOU, Jammu, J&K	
Moderator	Dr. Pragyesh Nath Tripathi , Siddharth University, Kapilvastu, UP	
Rapporteur	Dr. Maneesh Kumar , DDU University Gorakhpur	
Paper Presenters	Total Number = 15	
Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge		
Chair	Prof. Nisar Ahmad Khan , Aligarh Muslim University, Aligarh, UP	
Discussant	Dr. Ratnesh Tripathi , Deptt. of Economics, GDC, Kukumseri, Lahoul, Himanchal Pradesh	
Moderator	Prof. Rajbir Singh , KDC, Behraich, Uttar Pradesh, UP	
Rapporteur	Dr. Anujendra Tiwari , Dr. RML Avadh University, Ayodhya, UP	
Paper Presenters	Total Number = 15	
Tea Break	04.00 PM - 04.15 PM	Lawn, KIPM
General Body Meeting (GBM), UPUEA	04.15 PM-05.15 PM	KIPM Main Auditorium

Local Socio-Economic & Cultural Academic Tour 10/11/2024 05.15 PM-07.30 PM

Cultural Programme	07.30 PM - 09.00 PM	Auditorium , KIPM College of Management, Gorakhpur
		Dr. Nisha Pandey , KIPM College of Management, Gorakhpur, UP
Dinner	09.00 PM Onwards	Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Day 3
November 11, 2024
(Monday)
Parallel Technical Sessions
11/11/2024
09.30 AM – 11.30 AM

Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics	
Chair	Prof. Roli Mishra , Lucknow University Lucknow, UP
Discussant	Prof. Sahab Singh , Professor and Head, Department of Economics, Seth P.C Bogla (PG)College, Hathras, U.P.
Moderator	Dr. Sudheer Sharma , Krishak PG College, Peelibheet, UP
Rapporteur	Dr. Aaradhana Jaiswal , Department of Economics, Dayanand Bachhrawan P.G.College, Raebareli, UP Rahul Yadav , KIPM College of Management, Gorakhpur
Paper Presenters	Total Number = 15
Venue:	Conference Hall – 1
Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development	
Chair	Prof. U.R. Yadav Coordinator , Bundelkhand Region, UP Bundelkhand College, Jhansi
Discussant	Dr. Vikash Pradhan , Government PG College, Bareilly, UP
Moderator	Dr. Sweta Kumari , Rajju Bhaiya University, Pryagraj, UP
Rapporteur	Dr. Reema Singh , Dr.RML Avadh University, Ayodhya
Paper Presenters	Total Number = 15
Venue:	Conference Hall – 2
Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges	
Chair	Prof. Manjula Upadhyay , Principal Navyug P G College, Lucknow, UP
Discussant	Dr. Amarnath Tripathi , Jaipuriya Institute of Management Noida.
Moderator	Prof. Shailendra Verma Department of Business Management and Entrepreneurship, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
Rapporteur	Dr. Rishikesh Tripathi , KIPM College of Management, Gorakhpur
Venue:	Conference Hall – 3



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand	
Chair	Prof. M.C. Sati , HNB, H.N.B. Garhwal University, Uttarakhand Prof. Dhiresk Kulshethra , Dean, Chitkara University, Punjab (Online)
Discussant	Prof. Vishal Dubey , GB Pant Degree college Kachhla Badaun, UP
Rapporteur	Dr. Rajlaxmi Chaurasiya, KIPM College of Management, Gorakhpur
Paper Presenters	Total Number = 15
Venue:	Conference Hall – 4
Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge	
Chair	Prof. G. M. Dubey , Hari Singh Gaur University, Sagar, M.P.
Discussant	Prof. Jagdish Singh , Harishchandra PG College Varanasi
Moderator	Dr. Rana Rohit Singh Department of Business Management and Entrepreneurship, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya, UP
Rapporteur	Dr. Anuradha Rai , KIPM College of Management, Gorakhpur
Paper Presenters	Total Number = 15
Venue:	Conference Hall – 5
Tea Break	11.30 AM – 11.45



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Parallel Open Discussion Sessions -1 (Hybrid Mode)

11/11/2024

11.45 AM – 01.00 PM

Theme 1: Demographic Transition and Social Sector Challenges in India: Understanding Demographic Dynamics	
Theme 2: Agricultural Growth, Rural Poverty, and Sustainable Development	
Theme 3: India's External Sector Reforms and Challenges	
Chair	Prof. Himanshu Shekhar Singh, Head & Dean, Department of Business Management and Entrepreneurship, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya Prof. Vinod Kumar Srivastava, General Secretary UPUEA, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya
Discussant	Prof. K.N Bhatt, G.B. Pant Institute, Prayagraj, UP (from USA-online mode)
Rapporteur	Dr. Anil Kumar, Dr. RML Avadh University, Ayodhya Anurag Tripathi, KIPM College of Management, Gorakhpur
Paper Presenters	Total Number = 30
Venue:	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur

Parallel Open Discussion Sessions -2 (Hybrid Mode)

11/11/2024

11.45 AM – 01.00 PM

Theme 4: Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand	
Theme 5: Climate Change and Environmental Degradation: A Global Challenge	
Chair	Prof. Dushyant Kumar, Treasurer Principal Upadhi Mahavidhyalaya Pilibhit, UP
Discussant	Dr. Savita Tomar, Former Principal Sanjay Gandhi P.G College Suroorpur Meerut (UAE)
Rapporteur	Dr. Akriti Tripathi, KIPM College of Management, Gorakhpur
Paper Presenters	Total Number = 20
Venue:	Conference Hall - 1
Lunch	01.00 PM – 02.00 PM
Venue: Main Lawn, KIPM College of Management, Gorakhpur	



20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)

Valedictory Session

11/11/2024

02.00 PM – 03.55 PM

Valedictory Session	02.00 PM-03.30 PM	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
Session Coordinator		Dr. Mamta Yadav, KIPM College of Management
Presentation of Rapporteurs' Report by Chief Rapporteur	02.00 PM-02.10 PM	Dr. Anamika Chaudhary , Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow, UP.
Address by Guest of Honour	02.10 PM-02.20 PM	Prof. J.P. Pandey , Vice-Chancellor, AKTU, Lucknow, UP.
Address by Guest of Honour	02.20 PM-02.30 PM	Shri. Dayashankar Singh , Hon'ble State Minister (Independent Charge), Dept. of Transport, Uttar Pradesh
Address by Association President	02.30 PM-02.40 PM	Prof. Ashok Mittal , Former Vice-Chancellor Dr. B.R. Ambedkar University Agra.
Valedictory address	02.40 PM-02.55 PM	Prof. Manoj Kumar Agarwal , University of Lucknow, Lucknow, Uttar Pradesh
Address by Chief Guest	02.55 PM-03.15 PM	Sri Yogendra Upadhyay ji , Hon'ble Cabinet Minister, Higher Education, UP
Chair	03.15 PM-03.25 PM	Er. R. D. Singh Founder, KIPM College of Management, Gorakhpur, Uttar Pradesh
UPUEA Award Felicitation & Prof. Sharda Prasad Tiwari Memorial Best Young Researcher Award	03.25 PM-03.40 PM	Dr. Sarita Dwivedi & Dr. Alka Srivastava (Upuea Office Bearer Managing Team)
Vote of Thanks	03.40 PM-03.50 PM	Prof. Jaibeer Pratap Singh , Convener, 20 th UPUEA Conference & Director, KIPM College of Management, Gorakhpur, UP
National Anthem	03.50...(52 Second)	KIPM College of Management Cultural Team
Conference Certificate Distribution	03.55 PM Onwards	Venue: Auditorium, KIPM College of Management, Gorakhpur
High Tea	04.30 PM Onwards	KIPM Main Lawn

Prof. Vinod Kumar Srivastava
General Secretary
UPUEA

Prof. Jaibeer Pratap Singh
Director, KIPM College of Management
Convener, 20th Conference of UPUEA



Prof. A.P. Tiwari

Former Head, Department of Economics & former Dean Academics
Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow.

Prof. Mohd. Muzammil Memorial Lecture on **"Growth Dynamics of Uttar Pradesh: Some Recent Experiences"**

(Summary)

It is surely a matter of great pride and pleasure for me to deliver Professor Mohd. Muzammil memorial lecture on "Growth Dynamics of Uttar Pradesh: Some Recent Experiences". I deem it my pious duty to express a deep sense of tribute to my brotherly class-fellow Late Professor Mohd. Muzammil with whom I had have the privilege to interact constantly on various theoretical and applied aspects of economics; including the growth problematics and policies of Uttar Pradesh (UP). This tempted me to choose the present theme for a lecture in his great memory.

Looking back into the growth story of UP, it becomes evident that there has been, by and large, 'secular stagnation' in terms of growth. This happened because of the fact that income could not be generated outside agriculture ie. in industry and services sectors, in the most warranted manner. This has largely been attributable to low investment and poor capital use efficiency caused by bad law and order situation concomitant with lack of a dynamic political leadership. It is pertinent to lament that since 2017 the Yogi government has embarked upon the task of initiating many new programmes for infrastructure development, momentum in new investment possibilities, skill development and promotion of traditional products. Significantly, the 'One District One Product' (ODOP) scheme has proved as the most promising innovative policy stance signifying vast growth, employment and export potentials. In fact, these are the products in the production of which industries and entrepreneurs have not only 'comparative advantage' but also these commands 'competitive advantage'. In view of the development paramountcy of the ODOP scheme of UP, this has gained popularity and acceptance at the national level.

The recent development experiences of UP; especially during the Yogi regime amply demonstrate that the growth momentum was created by ensuring law and order in the State along with policy reforms in more than two dozen segments. These reforms were able to generate an eco-system most favourable to investors and industrialists. Besides, Global Investors Summit and Ground Breaking Ceremony opened new grounds in the domain of investment and growth in UP. There has emerged a scenario of investment induced infrastructure-led growth. Indeed, UP is committed to actualize one trillion dollar economy target. For this, all out efforts are being made by the Yogi government by focusing on larger investment in various identified core sectors and activities of the State economy alongwith fiscal prudence and time-bound completion of development projects. Hence, raising investment and improving efficiency of capital use are capable of sustaining growth momentum. This being the case, new UP's growth performance will have potent bearing on actualizing the \$5 trillion target by the New India.

गरीब मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने हेतु संसाधन एवं रणनीतियां

एन.एम.पी. वर्मा

वरिष्ठ आचार्य (अर्थशास्त्र) एवं कुलपति, बीबीएयू, लखनऊ।

सार

उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रत्यक्षरूप से एक बड़ी घोषणा की है कि आगामी एक वर्ष में उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से 'गरीबी मुक्त प्रदेश' बनाया जायेगा और उसको लेकर जो अनेक कार्य हैं उनका भी शुभारम्भ हो चुका है। एक वर्ष तक इस महा अभियान को चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत अनेक तरह की जो योजनाएं हैं वह सम्मिलित होंगी। मुख्यमंत्री माननीय जी का यह प्रयास है कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले जो लोग हैं उनको गरीबी रेखा से ऊपर लाया जाए और आगामी आने वाले एक वर्ष के अंदर प्रदेश को पूरी तरह से गरीब मुक्त बनाया जाए। सत्त रूप से विमर्ष करें की पिछले कुछ वर्षों की तो योगी सरकार लगातार इसको लेकर प्रयत्नशील रही है जिस तरह से प्रदेश में रोजगार बढ़ा है, निवेश बढ़ा है, कानून – व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, निरन्तर अनुक परिवर्तन हुए हैं। उनको देखते हुए अब इस तरह का एक बड़ा निर्णय लिया गया है और कहीं ना कहीं विकसित भारत का जो आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का सकल्पित स्वप्न है, उसको पूर्ण करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आज चर्चा में इससे सम्बन्धित कई विषयों पर बात करेंगे। मेरे साथ कुछ खास मेहमान भी होंगे, लेकिन सबसे पहले आपको दिखाते हैं ये रिपोर्ट।

कई स्वरूपों में ये बहुत महत्वपूर्ण है कि एक तो 2 अक्टूबर गाँधी जयंती के अवसर पर इसकी घोषणा की गई है। आप सभी जानते हैं कि महात्मा गाँधी ने दरिद्र नारायण की कल्पना की थी। वह दरिद्र नारायण की सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म समझते थे और हमारे माननीय दीनदयाल उपाध्याय जी का भी जो दर्शन था वो अंत्योदय था। अर्थात् जो समाज का सबसे पिछड़ा वर्ग है, जो अंतिम पंक्ति का व्यक्ति है। उसके जीवन स्तर को ऊपर उठाया जा सके उसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने और मुख्यमंत्री योगी जी ने इस बात की घोषणा की है। लेकिन इस घोषणा में केवल मात्र घोषणा नहीं है। बल्कि जैसा कि ये सरकार कहती है कि संकल्प से सिद्धि होती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने कहा भी तो है "जेहि के जेहि पर सत्य सनेहू, मिलिहै सो तेहि नहीं कछु संदेहू"। संकल्प सत्य हो, तो सिद्धि अवश्य होती है।

SUSTAINABILITY AND COMMON PROPERTY RESOURCES

Prof. Sandeep Kumar* and Anuragini Srivastava**

*Prof. and Head, Department of Economics, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur

**Research Scholar, Department of Economics, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur

Abstract

Sustainability with respect to common property resources is a fundamental linkage between economic viability, which is a core pillar for sustainable development, along with safeguarding the environment, and social equality. It focuses on the responsible use and protection of the natural environment through conservation actions. It refers to the diverse actions which aims to conserve, protect, and create a more sustainable environment while ensuring the optimal use of resources. Significant portion of natural resource contributes to common property resources. Natural resources that are shared by a community or group of people are referred to as **common property resources (CPRs)**. These resources have ill-defined property rights, and the use by one individual diminishes the availability for other the individuals. These resources are often subject to degradation or depletion due to the “**tragedy of commons**”, where each individual acts in his own self-interest resulting in over-exploitation of the resource. Common property resource directly or indirectly play an important role in enhancing and stabilizing the income, employment and sustenance of village community. It promotes natural resource base on which economic activities are possible. Common property resource play a pivotal role in environmental and ecological balance and such resources are essential for the economy’s existence and prosperity.

In this context, this study tries to critically explore the problems faced on the path to sustainable development, the significance of natural resources for the human economy, and the relevance of common property resources for the rural community. It also analyzes the implications of CPR degradation over time, as well as management methods for ensuring their conservation and survival.

Keywords: Sustainability, Natural resource, Common property resources, Management, tragedy of commons, Property rights

External Sector a Path across Middle-Income Trap: Lessons for India

Professor Manmohan Krishna

Chair Professor, NITI AYOJ, University of Allahabad

Dr. Vaibhav Agarwal

Assistant Professor, Department of Economics, SS KHANNA, Degree College, University of Allahabad

Dr. Aditi Pandey

Assistant Professor, Department of Economics, University of Allahabad

Abstract

Richard Nelson published an article in the American Economic Journal (December 1956, volume no. 5) in which he gave a theory of the Low-Level Equilibrium Trap in underdeveloped economies. As per theory, if in a country, capital stock accumulates less than population growth, so that per capita capital does not increase per worker, then the economy does not grow and is caught in a low-level income trap. Many similar theories were published during the 1950s (Liebenstein, Lewis, Nurkse) which described the causes of the low-level income trap of less developed countries. In the 1970s, 80s, and 90s, many Latin American countries (Mexico, Brazil, Argentina) Asian countries (Maldives, Singapore, Taiwan), China, and India began advancing at a much faster rate. It was supposed that these and many other countries of East Europe (Poland, Bulgaria, etc) had broken the low-level trap and graduated into self-sustained growth. In 2007, a World Bank report found a new concept 'Middle Income Trap' to describe the countries mentioned above that could not break into the club of rich countries despite high economic growth and falling poverty rates. As per the 2024, World Development Report, the 'Middle Income Trap' continues to burden 108 countries of the world which include Brazil, India, South Africa and even China. World Bank classifies (2023) Middle-Income countries (between \$ 1736 to \$ 13,845) into two groups, lower middle income (GNI per capita \$ 1136 to \$ 4465) and upper-middle-income group (GNI per capita \$ 4465 to \$13,845.) According to World Bank, 75% of the world population lives in these countries, but in these countries, 68% population live in absolute poverty. These middle-income countries are facing two difficult problems (1) the rapidly changing advanced technology of rich countries which they wish to incorporate at a high level, but this technology displaces labour leading to mass unemployment and income inequality and (2) in low segments of manufacturing, e.g. textiles, they face competition among themselves and cannot reap the benefit of a scale. IMF report declares that many of these countries remain wedded to an approach of the last century focusing on attracting foreign investment rather than focusing on innovations, which is why they are not able to graduate to the rich income group, although some countries have escaped this group due to certain forward linkages factors like Saudi Arabia, Bulgaria, South Korea, and Taiwan. China may be next to graduate. South Korea, Taiwan and China believed in inventions and technological advancement innovated and has become manufacturing hubs. They are reaping the benefit of scale via producing cheap manufacturing and exporting them. One can conclude

Keywords: middle-income trap, graduating to the rich club, external sector.

ROLE OF FINANCIAL INSTITUTIONS IN AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT IN INDIA

Dr. Mayank Kumar Singh

Associate Professor

DAV PG College, Varanasi – 221001

Contact No. – 9005207966; Email – mayank156@gmail.com

Dr. Vijay Kumar

Assistant Professor

Vasant Kanya Mahavidyalaya, Varanasi – 221010

Contact No. – 8090040334; Email – verma.vijaykumar0@gmail.com

ABSTRACT

*India is a very diverse country and is divided into many states and regions. The factors, that originate are most significant for the overall growth process, relate to basic requirements of schooling, availability of food, minimum purchasing power and facilities like safe drinking water, health care infrastructure, better transport and many others to attain true sense of development. Rural development has to play a phenomenal role in the overall socio-economic development of India, where majority of the population lives in rural areas. Without the upliftment of the rural population, the objective of complete development of the country cannot be obtained. Further, India as a republic being 75 years old has seen both good times and periods of turbulence. The real growth of Indian economy lies in the emancipation of rural people from poverty, unemployment and socio-economic backwardness. The government has to take necessary actions to improve the economic and social status across the nation without any biasness. The present research work “**Role of Financial Institutions in Rural Development - An Evaluation**” as is very indicative, is an attempt to evaluate the trends in the rural banking. In this, the concept and need for rural banking and rural development has been discussed. The role of commercial banks, cooperatives, Regional Rural Banks and National Bank for Agriculture and Rural Development has been highlighted. The presence of multi-agency approach to rural banking has also been discussed.*

Key Words: *Financial Institutions, Agriculture and Rural Development.*

Agriculture Performance in India: An Analytical Study

Prof. Jagadish Singh

Professor and Head, Dept. of Economics, Harish Chandra P G College, Varanasi Affiliated
MGKVP Varanasi, MO.9935615143, Email ID: jagdishsingh.23@rediffmail.com

ABSTRACT

The Indian agriculture sector provides livelihood support to about 42.3 per cent of the population and has a share of 18.2 per cent in the country's GDP at current prices. In the last five years, the agriculture sector has grown at an average growth rate of 4.18 per cent per year. The country also has a comfortable stock of foodgrains, around 40 per cent of which is distributed to two-thirds of the population free of cost. India exports more than 7 per cent of its food grains. The growth in the agriculture and allied sectors has contributed positively to the growth of the Indian economy. Indian agriculture continues to be dominated by small landholders. About 89.4 per cent of farm households own less than 2 hectares of land. However, specific challenges remain. Low productivity levels, the impact of variability in weather, fragmented land holdings and inadequate marketing infrastructure affect agriculture performance. In 2022-23, foodgrain production hit an all-time high of 329.7 million tonnes, and oilseeds production reached 41.4 million tonnes. In 2023-24, food grain production is slightly lower at 328.8 million tonnes primarily because of poor and delayed monsoons. Agricultural mechanisation covering simple hand tools to more complex machinery has become essential to modern agriculture and contributes towards productivity. The Sub Mission on Agricultural Mechanization (SMAM) provides assistance to the State Government for training and demonstration of agricultural machinery, setting up of Custom Hiring Centres (CHC) and assists farmers in procuring various farm machinery and equipment. The total funds allocated under SMAM from 2014-15 to 2023-24 was ₹7.26 Thousand Crore. In 2023-24, the allocation was ₹859.45 Crore. Further, Farm Machinery Banks promote access to high-tech machinery for small and marginal farm holdings and farm holdings under challenging areas with low levels of mechanisation. During the period 2014-15 to 2023-24, 25527 CHC were established under the scheme, and 607 CHC were set up in 2023-24. Sustainability in agriculture is highly relevant to securing the long-term productivity of land holdings, ensuring sufficient farm-based incomes and food security. With 11 of the 17 Sustainable Development Goals (SDGs) directly linked to agriculture, securing improvements in crop yields and ensuring income stability is vital for the country as it strives to achieve the Agenda 2030 goals. If India resolves agricultural problems of production and productivity, then achieve sustainable agriculture growth.

An Analysis of India's Approach to Curb the Problem of Climate Change

Dr. Ganesh Kumar

Associate Professor & HOD, Department of Economics, ACC Wing, Indian Military Academy, Dehradun, Saini_ganesh@rediffmail.com

Abstract

Nowadays, on account of the growing awareness of the environmental crisis the issues like global warming, climate change, disaster management and sustainable development are assigned top priority in national and international agendas. Climate change a serious global phenomenon, tremendously affecting the entire world. Due to the rising population and greed for quick economic growth, the circumstances are becoming worse. Moreover, due to the climate change the intensity and frequency of disasters are increasing and its threatening effects are increasing day by day which resulting in impending threats for life on the planet. If it is not controlled immediately by the efforts of all countries worldwide, it will boom its effects and cause end of life on the earth. The world has faced a lot of difficulties due to the climate change. Hence realising the forthcoming danger, most of the countries in the world do not shy away in making several plans, polices and alliance to tackle the problem of climate change and simultaneously emphasising the need of sustainable development. India is no exception. India is implementing several programmes and policies to deal with the problem. Indeed, India has consistently played an active role in negotiations and established itself as a coalition-builder worldwide. The basic purpose of India's all these attempts is to tackle the problem prudently and creating a track for achieving overall development.

"Rediscovering Ayodhya: Evaluating the Economic Boom and Cultural Revival through Religious Tourism"

Prof. Vinod Kumar Srivastava

Professor, Department of Economics and Rural Development, Dr. Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya, UP, Email- vksb621@yahoo.com, Mob.: 9415382891

Abstract

Ayodhya, the birthplace of Dasaratha Nandan Maryada Purushottam Lord Shri Rama, has been important in the field of Indian tourism since ancient times, where not only national but also global tourists have been coming with faith in God. In Uttar Pradesh, Ayodhya is one of the various important religious tourist destinations of India, which plays an important role in generating employment, income and livelihood for the local residents and also contributes an important role in the development of State as well as National Economy. The aims of the present study are to analyze the impact of religious tourism on economic development in Ayodhya and to examine the effects of religious tourism on cultural heritage and community identity in Ayodhya. The present study is based on qualitative observations and secondary data analysis. The data has been analysed using appropriate statistical tools like Descriptive analysis, Regression analysis, etc. This research study will prove useful for researchers, industrial experts and policy makers working in various fields.

Keywords: Religious Tourism, Economic Boom, Employment, Ayodhya, Uttar Pradesh.

“Harnessing Design Thinking to Eliminate Educational Disparities and Improve Quality Education across All Levels”

¹Ms. Stuti Jain

Research Scholar, Amity Business School,
Amity University, Lucknow, India, E-Mail: stuti.jain13@s.amity.edu

²Dr. Rohit Kushwaha
Professor and Director, Amity Business School,
Amity University, Lucknow, India, E-Mail: rkushwaha@lko.amity.edu

ABSTRACT

This research looks into how design thinking can improve the quality of education at every level, from elementary school to university, with an emphasis on reducing educational disparities. With its focus on human needs and solution-driven methodology, design thinking provides a foundation for developing creative, inclusive teaching methods that adapt to the different demands of students. Its potential to change education by encouraging critical thinking, raising student participation, and supporting curricular adaptation is highlighted in this initial literature review. But there is a clear research vacuum when it comes to applying it to end inequalities in access to high-quality education across all educational levels and contexts.

This qualitative study attempts to close that gap by evaluating how design thinking might lessen disparities by increasing educational flexibility, inclusivity, and adaptability to the requirements of individuals at all levels. Based on a range of academic research articles, the review explains how well design thinking works to create equitable learning opportunities as well as adapts to meet the diverse needs of learners.

The results show that design thinking helps educators implement more inclusive teaching strategies, improves student engagement, and advances equity by addressing a variety of learning requirements. But obstacles to its wider application include a lack of funding, institutional reluctance, and insufficient teacher preparation.

In conclusion, Design thinking, has the potential to raise the standard of education as a whole. Upcoming studies ought to concentrate on expanding its implementation, stressing the long-term results and incorporating it into educational policies to promote structural modifications that lead to equal educational opportunities.

KEYWORDS: Design Thinking, Educational Disparity, Educational Innovation, Inclusive Learning, Quality Education.

Theme-1
List of Paper Presenters

Sr. No.	Name of the Author/s	Title of the Paper
1	Adarsh Patel & Sunil Kumar Niranjan	A Financial Approach to Urban Development: The Case of Municipal Fiscal Efficiency in Uttar Pradesh
2	Anchal Rai	Demographic Transition and Challenges for The Health Sector in India
3	Anshika, Kunal Saxena & Dr. Vikas Pradhan	Finding Challenges and Opportunities for Developing India into a Developed Economy
4	Anup Kumar Mishra	Accessing Poverty among Various Social Groups in Rural Varanasi
5	Anupriya Singh & Dr. Parijat Saurabh	A Study of Socio-Economic Implications of Ageing Demographic Transition in India
6	Anupriya Singh & Dr. Parijat Saurabh	A Study of Socio-Economic Implications of Ageing Demographic Transition in India
7	Arpita Singh	Socio-Economic Profiling and Financial Inclusion of Urban Street Vendors: A Case Study of PM SVA NidhiYogana in Prayagraj
8	Arun Kumar Patel	An analysis of Employment Generation in Rural Areas of Pratapgarh District of Uttar Pradesh
9	Divyam Pal & Dr. Garima Maurya	Demographic Transition, Intergenerational Contracts, and Old-Age Security in India: A Critical Analysis
10	Dr. Gunjan Pandey	Demographic Transition Model and Changing Compositional Pattern of Population in India: Challenges and Opportunities
11	हेमलता सैनी	प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का किसानों की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव : जनपद बुलंदशहर के संदर्भ में एक अध्ययन
12	Dr. Maneesh Kumar	Financial Inclusion the Road to Socio-Economic Security of Women's: An Analysis
13	Dr. Savita Chauniyal	Assessing Women Health and Educational Disparities in Uttarakhand through National Family Health Survey (N.F.H.S.)
14	Dr. Syeeda Khatoon Sarita	Unemployment - A Major Challenge in Emerging India
15	Dr. Shambhu Nath Singh & Dr. Amita Kushwaha	Demographic Dividend and Educational Development in India
16	डॉ वरुणा राहुल एवं नाहिद परवीन	भारत में महिला श्रम-बल की उपयोगिता एवं घटती प्रजननता

17	Dr. Vineet Kumar Tiwari & Dr. Rukmani Devi	Unpaid Work and Time Use Survey in Uttar Pradesh
18	Gokulanand Pandey	Demographic changes and its socio-economic effects (With special reference to the state of Uttarakhand)
19	Ketan Giri, Manisha Singh & Dr. Urjaswita Singh	Impact of Demographic Transition on Gender inequality in India
20	Neha Dubey and & Dr Vivek Singh	Evaluating the Impact of the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) on Demographic Dividend and Employment
21	Prashant Kumar Vikram & Dr. Aditi Pandey	Fulfilling the Dreams of Constitution: Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya
22	Pragya Yadav & Dr Ved Prakash Mishra	The Impact of Automation and AI on the Future Employment Opportunities of Youth
23	Prof. Aloka Kumar Goyal & Drishti Jaiswal	Educational Performance of Non-Specific Category (NSC) States of India A Comparative Analysis of State wise Quality
24	Prof. Manmohan Krishna, Dr. Ved Prakash Mishra & Rajni Yadav	The Role of Social Security in Indian economy with special reference to Manufacturing sector
25	Prof. Bharti Pandey & Shweta Singh	TRANSFORMING EDUCATION TOWARDS SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOAL 4 IN INDIA
26	Prof. Prashant Agarwal	Social Sector Expenditure in India: Trends and Challenges
27	रेनु यादव एवं राम सरदार यादव	कोविड -19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा और अध्यापकों पर इसका प्रभाव
28	SAMISHTHA SINGH	DEMOGRAPHIC TRANSITION IN INDIA: NAVIGATING SOCIAL SECTOR CHALLENGES AND OPPORTUNITIES
29	Tanu Singh Chauhan & Dr Vibha Joshi	Harnessing India's Demographic Dividend: Addressing Brain Drain for Sustainable Economic Growth
30	Vandana Singh & Dr Vibha Joshi	The Role of Demographic Transition and Gender Equality in Shaping India's Economic Future: Insights for Viksit Bharat 2047
31	Vinay Kumar, Dr. Priyabrata Sahoo & Ratnesh Kumar Patel	Understanding the Dynamics of Migration from Uttar Pradesh, India
32	Vishakha	Transforming Societies: The Interplay Between Demographic Transition, Education and population in Achieving Sustainable development
33	Akriti Singh & Dr. Rajesh Singh	Contemporary Challenges in the Social Sector

34	Balkrishna Verma & Mridula Mishra	Economic and Social Challenges of Covid-19 in Uttar Pradesh With Special Reference To Ambedkar Nagar District
35	Divyam Pal & Dr. Garima Maurya	Demographic Transition, Intergenerational Contracts, and Old-Age Security in India A Critical Analysis
36	Dolly Singh, Prof. Girish Mohan Dubey & Prof. G.L. Puntambekar	Factors affecting on Employment Inequality in Sagar Block of Madhya Pradesh Using Cobb Douglas Regression Model
37	Dr. Rukmani Devi & Dr. Vineet Kumar Tiwari	Employment Status of Handicraft Industry in Uttar Pradesh
38	Prof. (Dr.) VIKRAM DEV & Dr. VIDUSHI SHARMA	DEMOGRAPHY PROBLEMS & PROSPECTS IN BHARATIAN PERSPECTIVE
39	Dr. Vineet Kumar Tiwari & Dr. Rukmani Devi	Unpaid Work and Time Use Survey in Uttar Pradesh
40	Vishnu Kumar	Impact of MGNREGA in empowering women A Case study of Sitapur and Prayagraj district of Uttar Pradesh
41	Dr. Shalini Chaudhary and Miss Diksha Kumari	Homestay: An emerging livelihood for Residents of Uttarakhand
42	RAJLAKSHMI CHAURASIYA	Promoting Female Work Participation in Uttar Pradesh
43	Manish Kumar	EXPLORING THE COMPLEX RELATIONSHIP BETWEEN MIGRATION AND WELLBEING: BENEFITS AND CHALLENGES
44	Archana Patel & Shweta Shukla	Textile Industries as a Driver of Rural Employment: A Study of Rural Cluster in Varanasi
45	Shivika Mishra & Dr. Umesh Pratap Singh	Too Far to Walk: Biased Gender Social Norms, Economic Participation of Women and Outcomes in India
46	Prof. Yamini Pandey	Social sector challenges in India – with special reference to health, education and social security
47	Sulabha Sharma	Demographic Transition and Employment Dynamics in Uttar Pradesh
48	Ms. Ishita Prakash & Mr. Niraj Pandey	Demographic Transition and Social Sector Challenges in India
49	Ms. Stuti Jain & Dr. Rohit Kushwaha	“Harnessing Design Thinking to Eliminate Educational Disparities and Improve Quality Education Across All Levels”
50	Dr. Virendra Pratap Chaurasia	Financial Inclusion for Inclusive Growth in India: Challenges, Opportunities

51	Dr. Atika Khatoun	Status of women Entrepreneurship in Indian Economy
52	Shadab Hashmi	Post-reform Trend and Pattern of Rural Non-farm Employment in India
53	AVINASH RAHUL	Women's participation and working conditions in India's workforce remain constrained by systemic challenges, including gender biases, inadequate support systems
54	Kanchan	Blockchain Technology for Enhancing Cybersecurity
55	Deepika Seth & Dr. Akhilesh Kumar Dixit	A Case-Study on Impact of Financial Literacy on Entrepreneurial Success
56	Komal Rani	Demographic Transition and Economic Inequalities In Social Sector
57	Mamta Yadav & Dr. Dharendra Bahadur Singh	A Study of the Factors Driving the Preference for the Online Entertainment Media: A Demographic Analysis
58	Dr. Garima Maurya, Dr. Ved Prakash Mishra	A Comparative Analysis of Demographic Shifts and Economic Implications in China and India
59	Tanya Varshney & Deepak Kuma	Demographic Profile of Uttar Pradesh: An Overview
60	Dr. Mulayam Singh Yadav, Dr. Mulayam Singh Yadav, Dr. Digvijay Singh & Dr. Anjali Singh	“A Study based on the Institutional Infrastructure of Primary Schools of Uttar Pradesh Gender Based Enrolment and Dropout Rate”
61	Amalesh Yadav & Dr. Surendra Kumar Gupta	A Study of Women Health by Using Clean Cooking Fuel: With Special Reference to Tuberculosis Disease
62	Ashish Kumar Chaurasiya & Dr. Satyendra Kumar	Role of Pradhan Mantri MUDRA Yojana for promoting Entrepreneurial Culture in Uttar Pradesh.
63	Akriti Singh & Dr. Rajesh Singh	Contemporary Challenges in the Social Sector
64	Manish Kumar	India's Demographic Dividend & the Question of Skill Deficits
65	Priyanka Maurya	“Marketing Management: Role and work -A study of ways to maximize product profit”

Theme-2

List of Paper Presenters

Sr. No.	Name of the Author/s	Title of the Paper
1	Anand Kumar Nigam	Rural Development in India through Agri Entrepreneurship
2	Asha Pasi & Dr. Ved Prakash Mishra	Study the scenario of Agricultural Labourers migration and its impacts: In the Kaushambi district of Uttar Pradesh
3	भगवानदास & डॉ वेदप्रकाश मिश्रा	भारत में गरीबी, बेरोजगारी और प्रवासन की चुनौतियों को कम करना
4	DEVIKA SINGH & DR. MONIKA MEHROTRA	SUSTAINABILITY OF AGRICULTURAL PRACTICES, ZERO BUDGET NATURAL FARMING (ZBNF) AND FOOD SECURITY
5	Dr. Amitendra singh and Sachin Kumar Verma	Agriculture sector : How to develop for India @2047
6	Dr. Dinesh Kumar Gupta	Rural Development in India: An Analysis
7	Dr. Mayank Kumar Singh & Dr. Vijay Kumar	ROLE OF FINANCIAL INSTITUTIONS IN AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT IN INDIA
8	Dr. Siddharth Singh	Empowering Villages: The Role of Creative Industries in Rural India
9	Dr. V. K. Shukla & Shubhda Agarwal	COMPETITIVE POTENTIAL OF CANE SUGAR INDUSTRY WITH CHANGING SOCIAL NEEDS: DEMAND ANALYSIS IN UTTAR PRADESH
10	डॉ0 विजय बहादुर यादव	अमृत काल में कृषि विपणन का आर्थिक विकास में योगदान
11	Khagendra Singh, Dr. Vikas Pradhan & Pragati Raj	Impact of Agricultural Priority Sector Lending Through Lead Bank for Agricultural Development of Beneficiary Farmers of Bareilly District In Uttar Pradesh
12	Mantasha Aziz & Prof. Alok Kumar Goyal	An Analysis of Change in Cropping Pattern of Indian Agriculture since Independence
13	Prabal Agarwal & Dr. Pradeep Kumar Tripathi	ASSESSING THE IMPACT OF STARTUP INDIA SEED FUND SCHEME (SISFS) ON INDIAN STARTUPS
14	Pragati Sharma & Dr. Vibha Joshi	Transforming Indian Agriculture: The Role of AI in Enhancing Efficiency and Sustainability

15	Pragti Yadav & Prof. Aloka Kumar Goyal	An Analysis of Availability Dimension of Food Security of Major States of India
16	Rajneesh Kumar Sonkar & Dr. Harnam Singh	The Significance of Micro, Small, and Medium Enterprises (MSMEs) in reducing poverty and fostering rural development in India
17	Ritu Verma	An Analysis of Dairy Sector Performance and Trends of Milk Production in India
18	Surbhi Sinha & Dr. Parijat Saurabh	An empirical study of advancements in agriculture in the Twenty-first Century with special reference to selected district
19	VANDITA RAI	GROWTH IN INDIA'S AGRICULTURE SECTOR: ANALYSING TRENDS WITNESSED SINCE 1970s
20	Mrs. Shriya Sethi	MILLETS IN INDIA: Challenges, Opportunities and Productivity Trends – A comparative Study of Uttar Pradesh and Uttarakhand
21	डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. नरेन्द्र कुमार	लोकोक्ति में कृषि और पशुपालन
22	डा० शिव कुमार लाल	मिलेट्स की खेती सम्भावनाएं एवं चुनौतियां उत्तराखण्ड के सन्दर्भ में
23	Ankit Upadhyay and Roli Misra	An Analysis of Inter-State Disparities in the Procurement of Wheat and Rice in India
24	Deepa Gangwar and Roli Misra	Sustainability of Sugar Industry through Ethanol
25	Dr. Arun Kumar Kanaujia	Challenges of Rural Development (An analysis)
26	Professor (Dr.) Vikramdev & Dr. Vidushi Sharma	Rurban Approach is the Need of the Hour for Rural Development and "Viksit Bharat Abhiyan" of Namo In National & Upian Perspective
27	Vikash Raj and Roli Misra	A Study of Impact of Climate Change on Rice Production in India with reference to Uttar Pradesh since 1961
28	Abhishek Yadav & Dr. Dinesh Yadav	"A Short Run Inquiry of the Phillips Curve in India's Context"
29	Manish Kumar Yadav & Dr. Garima Maurya	Food Security: Its impact on poverty reduction in India
30	Dr. Mayank Kumar Singh & Dr. Vijay Kumar	ROLE OF FINANCIAL INSTITUTIONS IN AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT IN INDIA

31	श्वेता शुक्ला, डॉ० अंकिता गुप्ता	आधुनिक युग में कृषि एवं ग्रामीण विकास में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की भूमिका
32	Mrs. Nisha Pandey	RURAL ENTREPRENEURSHIP IN INDIA - A REVIEW
33	Praveen Kumar Pandey	IMPACT OF CLIMATE CHANGE ON AGRICULTURE AND FOOD SECURITY AS INDIAN PERSPECTIVES
34	Nayna Raj & Ashutosh Priya	Procedural Impediments of Electronic National Agricultural Market (e-NAM) faced by Farmers in Naveen Mandi Sthal, Bareilly
35	Ruchi Dwivedi & Shatrujeet Singh	Advancing agricultural and rural development in the modern era: An Indian perspective
36	Prof. Jagadish Singh	Agriculture Performance in India: An Analytical Study
37	Shishu Pal Rathor & Prof. Reena Ageawala	Problems and Prospects of Sugar Industry in India: Case Study of Pilibhit District: Uttar Pradesh

Theme-3
List of Paper Presenters

Sr. No.	Name of the Author/s	Title of the Paper
1	Amrita Singh and Dr Vivek Singh	Impact of Traditional and Digital Financing Systems on Indian Exporters: A Comparative Study
2	Apurva Gupta and Dr. Vivek Singh	Analyzing trade trends to shape India's export strategy with BRICS for the next decade
3	Chandan Kumar Dwivedi & Dr. Rakesh Kumar Tiwari	The Impact of Trade Liberalization on Bilateral Trade Relations between India and Bangladesh
4	Deshraj Verma & Dr. Nafees Hashim Rizvi	India Nepal trade relation since 2000
5	Deepak Pal & Arshit Nandan Sharma	Unleashing the potential of MSMEs in India's Export Sector: Role, Performance and Future prospects
6	Dr. Mohan Singh	Challenges of India-Bangladesh Bilateral Trade
7	Dr. Mohan Singh	Trajectory of India-Bangladesh Bilateral Trade
8	Harsh Raj Gautam & Dr. Veena Upadhyay	INDIAN MANUFACTURING SECTOR: AN OVERVIEW OF EXPORT CHALLENGES
9	Lalit Kumar Maurya	INDIAN TEXTILES AND CLOTHING EXPORTS: GROWTH AND OPPORTUNITIES (WITH SPECIAL REFERENCE TO SAARC NATIONS)
10	Prof. Sandeep Kumar & Nupur Singh	The Role of International Trade in Transboundary Pollution And Climate Change
11	RITIK BHARDWAJ & DR ADITI PANDEY	The Dynamics of Export Promotion in uncertain world: Stakeholders Analysis for India
12	Sameer Srivastava & Dr. Poonam Verma	Role of FDI in driving the growth of the insurance sector in India
13	Shubhangi Mishra, Dr. Ajit Singh, Dr. Rashmi Chaudhary	An overview of Edible Oil sector of India: Problems, Policies and Prospects
14	Shyam Deo Yadav & Prof. Umesh Chandra Yadav	बिम्सटेक देशों में व्यापार की संभावनाएं एवं चुनौतियां
15	Sonali Yadav and & Dr. Vivek Singh	Analysing the Impact of Digital Transformation in Supply Chain on Bilateral Trade between India and China and Its Contrib
16	Dr. Shashi Lata Singh & Anushree	Manufacturing Sector Exports of India: Potential and Challenges

17	Vibha Mishra & Prof. Karunakar Ram Tripathi	An Analysis of State wise Inflow of Foreign Direct Investment (FDI) in India
18	Dr. Bimal Jaiswal, Aishwarya Awasthi & Dr. Saksham Kumar Srivastava	Understanding the Role of Corruption in Foreign Direct Investment and Economic Growth: Evidence from BRICS Nations in the Post Global Recession Period”
19	Dr. Dinesh Yadav & Mr. Abhishek Yadav	The Role of International Trade in India’s Vision of Viksit Bharat @2047
20	Km Raksha	An Analysis of India’s Bilateral Trade With China
21	Shruti Srivastava	THE IMPACT OF FOREIGN DIRECT INVESTMENT IN RETAIL INDUSTRY ON INDIAN ECONOMY
22	Dr. Dinesh Yadav & Abhishek Yadav	“Analysis of India’s Foreign Trade for Global Competitiveness by 2047”
23	Deshraj Verma	India Nepal trade relation since 2000
24	Simran Gupta, Prof. Shrivardhan Pathak & Lavkush pandey	A Study of India’s Dairy Industry: Challenges in Exports
25	Dr. Vaibhav Agrawal	India-U.K. Free Trade Agreement: An Agreement of the Upcoming Era
26	Shruti Srivastava	THE IMPACT OF FOREIGN DIRECT INVESTMENT IN RETAIL INDUSTRY ON INDIAN ECONOMY
27	Dr. Vaibhav Agrawal	India-U.K. Free Trade Agreement: An Agreement of the Upcoming Era
28	Dr. Mamta Ahuja	India and Brazil: Navigating Trade Prospects for Sustainable Future
29	Dr. Shalini Singh	FDI and Regional Economic Integration: Prospects and Opportunities

Theme-4
List of Paper Presenters

Sr. No.	Name of the Author/s	Title of the Paper
1	Sandeep Kumar & Rajni Nigam	Building a sustainable future: Tourism, Climate change and Environmental Sustainability
2	Prof. Vinod Kumar Srivastava	Rediscovering Ayodhya: Evaluating the Economic Boom and Cultural Revival through Religious Tourism
3	Dr. Swati Tamta & Dr. Vivek Kuma	Role of Religious Tourism in Sustainable Development of Uttarakhand
4	Ruchi Chhimwal	Exploring tourism opportunities and overcoming challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand
5	Swarnika Aggarwal & Dr. Anugrah Rohini Lall	Prospects of employment generation through tourism development in uttarakhand
6	Savitri Yadav, Priya Chaturvedi & Dr. Rajesh Singh	Challenges in India Tourism Sector
7	अनुजेन्द्र तिवारी एवं प्रो० विनोद कुमार श्रीवास्तव	अयोध्या नगरी के पर्यटन विकास में स्थानीय समुदाय की भूमिका
8	Simarjeet Kaur bagga	Exploring Tourism Opportunities and Overcoming Challenges in Uttar Pradesh and Uttarakhand
9	Ms. Sai Aastha	Tourism and Infrastructure Development in Uttar Pradesh / Uttarakhand
10	विष्णु कुमार शर्मा	भारत को 05 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने में उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड टूरिज्म की भूमिका
11	Dr. Sarita Dwivedi	Economics of Rangoli Folk Arts: A Study with Reference to Eighth Divya Deepotsav in Ayodhya
12	Pooja Kumari & Prof. (Dr.) Alpana Srivastava	"Crypto Payment Method in the Tourism Sector"
13	Dr Pratibha Singh	Tourism: A pillar of Uttar - Pradesh
14	Dr. Ashutosh Kumar Pandey	Exploring Tourism Opportunities and Challenges in Uttar Pradesh with special reference to Ayodhya
15	Prashant Chaturvedi, Priya Chaturvedi	Artificial Intelligence and Societal Challenges
16	Dr. Narendra Kumar, Prof. Bharti Pandey & Dr. Abhishek Pandey	Trade-off between Employment and Poverty in India
17	Priyanka Singh, Jaibeer Pratap Singh & Dr. Rana Rohit Singh	Impact of PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana on Rural Electrification and Socioeconomic Development in Uttar Pradesh
18	Dr. Priya Kumari & Ayushi Yadav	Zero Budget Natural Farming with Reference of India
19	Prof. Alpana Srivastava & Prof. Nimish Gupta	Economic Renaissance in Uttar Pradesh: Pathways to Growth and Success

Theme-5

List of Paper Presenters

Sr. No.	Name of the Author/s	Title of the Paper
1	Abhishek Tripathi & Dr. Vishal Saxena	The Dynamics of ESG (Environmental, Social, and Governance) Reporting in Bluechip Companies: An In-depth Analysis of Challenges, Strategies, and Impact
2	Ayushi Gupta & Dr. Sweta Kumari	A Comparative Analysis of Solar Power Generation Efficiency in India
3	Deepika Sahu & Dr. Nishi Mishra	Waste To Best: A Study of Wheat Stalk Handicraft Under One District One Product (ODOP) in Uttar Pradesh
4	Dr. Amit Kumar Sharma & Nikhil Kumar	Trends in Contribution to Renewable Energy Production: A Special Reference to India
5	Dr. Ganesh Kumar	An Analysis of India's Approach to Curb the Problem of Climate Change
6	Ms. Anjali Mishra & Dr. Reena Yadav	Unveiling the Trade-Off: Reassessing the Economic Analysis of Economic Development and Carbon Emissions in India
7	Prachi Garg Sangal	Topic Economic strategies for addressing environmental and climate change
8	Prof. Sandeep Kumar and Anuragini Srivastava	Sustainability and Common Property Resources
9	Rajesh Kumar Chaurasiya and Pradeep Kumar	Climatic Changes and their effects on agricultural economics
10	Rashmee Rai & Dr. Surendra Kumar Gupta	Environmental Constraints for the Terracotta Artisans of Gorakhpur: A Case Study of Aurangabad Village
11	Sandeep Kumar & Nikhil Kumar Gautam	Problems of Climate Finance: An Indian Perspective
12	Dr. Sandeep Kumar, Dr. Amit Kumar Sharma & Anam Fatma	Renewable Energy Sources for Sustainable Development: An Analysis
13	Dr. Narendra Kumar, Prof. Bharti Pandey & Dr. Abhishek Pandey	Trade-off between Employment and Poverty in India
14	Vinay Kumar Pandey & Prof. Sandeep Kumar	Evaluation of the progress of EIA in India, new challenges

15	Dr Amit Kumar Sharma & Anam Fatma	Renewable Energy and Climate Change: An Overview
16	Ms. Sakshi Srivastava	Adopting Innovative Business Models for Addressing Climate Challenges
17	Dr. Angrej Singh	Rural Development and Renewable Energy Resources an Alternative Approach
18	Ms. Saumya Singh	Water Pollution and Global Health Crisis: A Comparison Analysis of Water Pollution and impact of Public Health
19	Dr. Nomita Gowan & Abhinav Kumar Saroj	The Role of Economic Policies in Addressing Climate Change: Strategies for Sustainable Development
20	Dr. Amit Kumar Sharma Nikhil Kumar	Trends in Contribution to Renewable Energy Production: A Special Reference to India
21	Rahul Yadav	Role of Artificial Intelligence in Renewable Energy
22	Ms. Sakshi Srivastava	Adopting Innovative Business Models for Addressing Climate Challenges
23	Dr. Savita Devi	Economic Strategies for Addressing Environment and Climate Change

Our Sponsors



www.ehsaasrehab.com™

एहसास नशा मुक्ति केन्द्र



**नोट: यहाँ शराब, भाँग, गाँजा, स्मैक इत्यादि
नशे का इलाज मरीज को भर्ती करके किया जाता है।**

अगर कोई नशे से पीड़ित है तो इलाज के लिए सम्पर्क करे।

7272818208, 7272818209



दाउदपुर चौराहा, गोरखपुर | नियर सहारा स्टेट, सिक्टौर बाजार, गोरखपुर

GSTIN- 09ABMCS3379N1ZD

We believe in Best Service

Abhishek Kumar (Director)

CIN No. U43291UP2023PTC194300

Email- info@Signature-elevators.com

© 7068967906 | 6391022737



Signature Elevator Private Limited



(Your Safety)

Deals In : Passenger Lift, Hospital Lift, Goods Lift, Hydraulic Lift
AMC, Reapiring, Maintenance and Installtion of all Type of Lifts

05 SAHBAJGANJ, SAHJANWA, GORAKHPUR (U.P.)

59 Gangi Bazar, Maharajganj, Gangibazar, Gorakhpur, Gorakhpur-273165, Uttar Pradesh

Our Sponsors



Udit mishra
 Mob: 9721101060
 8896006262
 thesaiscientific@gmail.com

SSC Sai Scientific Company

Head Office : Bypass Road, Opp. Fatima Hospital, Barhalganj, Gorakhpur (U.P.)-273402

- Glasswares ○ Classwork Material ○ General Suppliers ○ Microscopes Service Center
- Wholesale & Retail Scientific & Laboratories Chemical Suppliers ○ School, Colleges
- Pathology ○ Microbiology ○ Pharmacy Instruments and Electronic Equipments.

Branch Office : 8/9 Pratap Market, Opposite Shere Punjab Hotel, Cinema Road, Golghar, Gorakhpur (U.P.)-273001

GST NO.
 09AFWPA8194A1Z6

8318254661
 9335090052

शर्मा स्टेथनर्स एण्ड स्पोर्ट्स

स्टेशनरी स्पोर्ट्स
 प्रिंटिंग विज्ञान सामग्री

335-स्वास्तिक भवन, आर्यनगर, अग्रवाल भवन के सामने
 दिलेजाकपुर-गोरखपुर (273001)

आफसेट प्रेस द्वारा छपाई 'रामा' ब्राण्ड रजिस्टर टाई. बेल्ट, बैज आई. डी. कार्ड White एवं Green बोर्ड

मैप, चार्ट, ग्लोब टाटपट्टी परीक्षा प्रश्न पत्र कापी व स्टेशनरी स्कूल एवं आफिस स्टेशनरी खेल-कूद सामग्री

मोमेंटो, ट्राफी, मेडल विज्ञान सामग्री

के थोक विक्रेता एवं राजकीय आपूर्तिकर्ता



9695 7992 07, 98 3839 6667

www.uprisedigitalmedia.com

UPRISE DIGITAL MEDIA

A Complete Advertising Agency & Wedding Photography Hub

Near Golghar Kali Mandir, Golghar - Gorakhpur

www.uprisedigitalmedia.com

Our Sponsors



**Legal solutions for
business and individual
needs.**

**EXPERT IN PROPERTY MATTERS.
CIVIL CASES
CRIMINAL CASES
138 UNDER NEGOTIABLE INSTRUMENT ACT.**



Our Sponsors

MODERN CROCKERY MUSEUM
 18, JALKAL BUILDING, GOLGHAR, GORAKHPUR-273001
A House of Exclusive Crockery, Appliances & Gift Item

Mob. : 9889911515 • Email id - moderncrockery@gmail.com

AISH
 FOOD & BEVERAGE

Restaurant

HOSTEL AVAILABLE

For Booking
 Parties
 Birthdays
 Meeting

Available On
zomato

barahua powerhouse Gida
 Ph. 9855988967

*One Stop Solutions for
 any requirement related
 to Automation*

With Best Compliments from
Er Praveer Arya

B.E. Computer Science
 9838477548
 praveer_arya@rediffmail.com

Best Price **BEST Quality**

hp HP WORLD
 CROSS ROAD-THE MALL

LOGIC PC WORLD
 9838477548

Cross Road-The Mall, Bank Road, (5-1st Floor) Near V Mart, Gorakhpur

Deepanshi

Traders

GECO **HAVELLS** **ANCHOR**

GECO MECHANICAL & ELECTRICAL LTD.

Deals : All Kinds of Electrical Goods

Pro. R.K. Srivastava
 9839611918, 7905838245

Address : Sumer Sagar, Opp. Raj Cinema
 Gorakhpur - 273001 Call : 9839611918

Our Sponsors



श्री नवदुर्गा ट्रेडिंग कम्पनी

जी.आई. एवं काला पाइप, पी.वी.सी, एवं सी.पी.वी.सी पाइप एण्ड फिटिंग्स, टंकी, हैण्ड पम्प, बोरिंग पाइप, सैनिटरी फिटिंग इत्यादि थोक एवं फुटकर विक्रेता



पवन अग्रवाल

☎ 9336402476

गौरव अग्रवाल

☎ 9335014548

हेड आफिस :- 5, पार्क रोड, सिविल लाइन (सिटी माल के बगल गली में), गोरखपुर
 डिपो व गोदाम :- बिचऊपुर, भगवानपुर, गोरखपुर
 मो. 7800007551 E-mail: sndtcompany@gmail.com



RAMPUR PANDAY KHAJANI GORAKHPUR



INTERLOCKING BRICKS



Ravi Pratap Singh urf Bablu Singh
 MOBILE NO. 9936626120, 8840875883

Our Sponsors



नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा स्रोत मंत्रालय,
भारत सरकार एवं यूपीनेडा उ.प्र. सरकार द्वारा संचालित

PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

ग्रिड से जुड़ा हुआ रूफटॉप सिस्टम लगवाने की विशेषताएं

- घर की छत पर अतिरिक्त जगह की जरूरत नहीं
- केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सरकारी सब्सिडी
- 1 KWp 45,000/-
2 KWp 90,000/-
3-10 KWp 1,08,000/-
- विजली बिल से तुरन्त राहत
- 25 वर्षों तक विजली बिल से मुक्ति
- न्यूनतम रख-रखाव खर्च


अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :-
+91-8081785320



ViNi Corporate

VINI CORPORATE
(Powering The Planet)

+91-8081785320
vinicorporates@gmail.com
MP Building, In front of, Jalkal Gate
Golghar, Gorakhpur (U.P.) 273001




GSTIN : 09ANKPB212111ZA

Bhartiya Associates

Wholesale, Hardware Store

9935889928, 9264936250
rohit_baranwal1234@yahoo.com
Madarasa Chowk, Shekhpur, Gorakhpur

S. K. SINGH



SHIV SHAKTI TRADERS

DEORIA BYPASS ROAD
NEER LITTLE FLOWER POLYTECHNIC

CONTACT NO - 9026963375, 9532986754

AMBUJA CEMENT & MORE OTHER BRAND
Dr.FIXIT

AVAILABLE-GITTI, MORANG, CEMENT, TMT BAR,
RING AND WIRE, WHOLE SALE AND RETAIL

Our Sponsors

स्कूल ड्रेस प्राप्त करने के लिए

हाई च्वायस

स्कूल स्टेशन



शर्ट | पैन्ट | स्कर्ट | ट्यूनिक
टी-शर्ट | कोट | जूता-मोजा | टाई एवं बेल्ट



चम्पा काम्पलेक्स, प्रथम तल (राप्ती काम्पलेक्स के बगल में), गीता वाटिका रोड, असुरन, गोरखपुर
फोन : 0551-2280089 • मो. : 9452777019

Our Sponsors

Caps
 @info@capsindia.in
 www.capsindia.in

VIVA 60/75/90

PREMIUM QUALITY
 100% GUARANTEED

HAPPINESS FOR YOUR HOME

BIRLA opus PAINTS

PRADEEP HARDWARE & PAINTS
 Medical College Road, Infront of H.P. Petrol Pump,
 Basharatpur, Gorakhpur

9450239698
 0551-2335073 9935889928
 7607068318

BHARTIYA SUPPLY CO.
 GOVT. ORDER SUPPLIERS

TARFEL | BITUMEN | ALUMINIUM FITTING
 HARDWARE | AGRICULTURAL IMPLEMENTS etc.

Shop No. 4-5, Laldiggi Park, Gorakhpur

9415857964

आलोक मेडिकल स्टोर्स

33, कसया रोड,
 निकट कैंट थाना, गोरखपुर

शुद्ध देशी घी से निर्मित

एक नाम विश्वास का

Agrawal
 MISHTHAN

Agrawal Restra, Shastri Chowk, Gorakhpur
 Agrawal Karkhana, Basharatpur, Gorakhpur

7376584752, 7571026412

Our Sponsors



P. K. TRADING

Deal In : Fire Hydrant System, Sprinkler & Smoke System



Fire Hydrant system is an effective and efficient means of extinguishing large fires, which can otherwise cause devastation. Hydrant system enables the fire fighter to attack the seat of the fire from a distance. Hydrant valves are outlets for delivering water with tremendous pressure so as to quench the fire. Fire sprinklers provide one of the highest levels of life safety and property protection. The equipment includes the water flow detector, system water gauge, main drain valve, water supply gauge, tamper switch, and the control valve.



LIG : 2nd, 731, Vikas Nagar, Bargadwa, Gorakhpur - 273007 (U.P.)

E-mail : pktrading9450@gmail.com

Call : +91-9450111424, 9721728700

GSTIN : 09IQKPS7942P1ZG

State- Uttar Pradesh, State code-09

QUOTATION

Mob.: 9621019292

HARISH REPAIR AND SERVICES

New Colony, Madhopur, Near Sahani Marriage House,
Post-Gorakhnath, Gorakhpur

Repair of All Kind of Scientific instruments and LPG Gas Pipe Line Fitting

Our Sponsors



IMAGING & LABORATORIES

FACILITIES

- 1.5 T 16 Channel Cardiac MRI
- 128 Slice Cardiac CT Scan
- 4D Color Doppler Ultrasound
- Digital X-Ray (DR System)
- DR X-Ray Mammography
- Cardiac Angiography
- BMD • OPG • EEG • PFT • 2D ECHO • ECG • TMT • EMG
- Holter • Liver Elastography • Automated Pathology • Microbiology

► होम कलेक्शन की सुविधा उपलब्ध।

► फ्री एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध।

नारायना एम.आर.आई. एवं कार्डियक स्कैन सेन्टर

NH-28, दाउदपुर, तारामंडल, गोरखपुर (उ.प्र.)

Mob.: +91 6391000240/41

E-mail : healthcare@narayanamri.com

Web : www.narayanamri.com

FB : www.fb.com/narayanamri



Emergency
Services

फास्टेस्ट कोरोनरी एंजियोग्राफी

10:20

← Post

Yogi Adityanath O... [@myogioffice](#) Follow

मुख्यमंत्री श्री [@myogiadityanath](#) जी महाराज से आज लखनऊ में KIPM- कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर के निदेशक डॉ. जयबीर प्रताप सिंह जी एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव जी ने शिष्टाचार भेंट की।

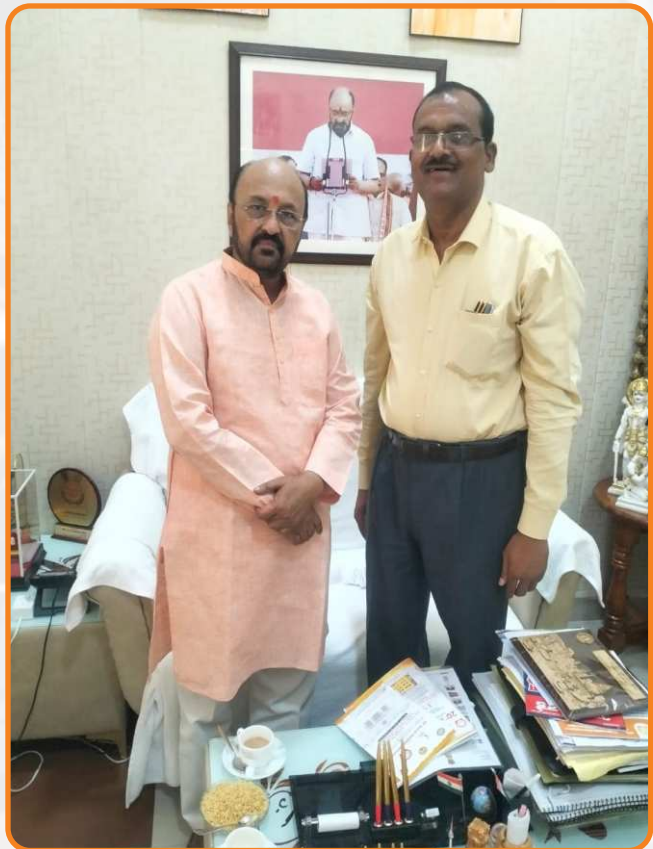
Translate post



8:15 PM · 21 Oct 24 · 4,996 Views

14 Reposts 113 Likes 2 Bookmarks

Post your reply









20th Annual National Conference of Uttar Pradesh Uttarakhand Economic Association (UPUEA)



APPROVED FROM
LEADING BANKS
RERA NO.
UPRERAPRJ954073/10/2024
RERA WEBSITE
www.up-rera.in/projects



Vikas Kejriwal
Group of Companies




ELITE HEIGHTS & ELITE SQUARE

3 BHK FLATS | COMMERCIAL SHOPS

RAJENDAR NAGAR



PROJECT BY
VIKAS KEJRIWAL
GROUP OF COMPANIES

EXPERIENCE LIFE & SUCCESS IN ONE PLACE



AIR-CONDITIONED RECEPTION AREA



AMPLE SPACE FOR GREENERY



MULTIPURPOSE HALL



CLUB HOUSE

WORLD CLASS AMENITIES

RERA COLLECTION ACCOUNT
A/c No--0384102100000948 | A/c Name--ARDPL Rera Collection Account Elite
Punjab National Bank, IFSC- PUNB0038410

Contact No. :
8948888881

Toll Free No. :
18008335848



For more
information

Corporate Office: Plot No. 196-197, Paalm Paradise, Taal Ramgarh,
Deoria Bypass Road, Gorakhpur - 273016, U.P.

Disclaimer: Images, sketches, designs, layouts shown are an artists impression only and do not purport to be an actual development. They merely indicate the type of development that the Developer may undertake in future subject to regulatory approvals.

With Best Compliments :



Association of the Socio-Economic
Development Studies (ASEDS)



Dr. Rammanohar Lohia Avadh University
Ayodhya, UP



KIPM College of Management
GIDA, Gorakhpur, Uttar Pradesh



Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Univeristy
Prayagraj, UP



Prof. Sharda Prasad Tiwari Memorial Trust
Lucknow, UP